वर्ष : 17 ❖ अंक : 181 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
सोमवार, 06 फरवरी 2023

वोट बैंक के लिए नहीं होती योजनाएं : सीएम योगी 3 | आतंकवाद व नक्सलवाद का कारण कांग्रेस : अरुण सिंह 8

अप्रवासी विवाद : जेएसी का सिक्किम बंद 08 को

किसी राजनीतिक दलों के आंदोलन से हमें सरोकार नहीं : सापकोटा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 05 फरवरी । सिक्किम के नेपाली समुदाय से 'आप्रवासी' टैग को हटाने की वकालत करने वाली संयुक्त कार्रवाई समिति ने 8 फरवरी को राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया है। यह बंद उच्चतम न्यायालय के हालिया फैसले जिसमें सिक्किमी नेपालियों को अप्रवासी बताया गया है और सिक्किमीज शब्द के इस्तेमाल को समाप्त कर दिया गया है के खिलाफ केंद्र सरकार को एक स्पष्ट संदेश देना है।

उल्लेखनीय है कि 31 जनवरी को ज्वाइंट एक्शन कमेटी (जेएसी) द्वारा आयोजित पहली रैली में जेएसी ने राज्य सरकार को उनकी चिंताओं पर कार्रवाई करने के लिए 7 फरवरी तक का समय दिया था। जेएसी के महासचिव केशव सापकोटा के अनुसार, राज्य सरकार द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्रवाई नहीं करने के कारण विरोध प्रदर्शन बुलाया गया था। 8 फरवरी को, जेएसी को उम्मीद है कि प्रत्येक परिवार से कम से कम तीन सदस्य विरोध प्रदर्शन में भाग लेंगे । व्यक्तियों या राजनीतिक दलों, जैसे एसकेएम या एसडीएफ द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शनों का समर्थन नहीं करती है और राजनीतिक दलों द्वारा आयोजित कोई भी विरोध प्रदर्शन उनका अपना रुख है और जेएसी द्वारा समर्थित नहीं होगा। जेएसी का राजनीति से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि जनता की मांग को देखते हुए जेएसी ने बंद का आह्वान किया है। वे 9 फरवरी को विधान सभा सत्र आयोजित करने के राज्य सरकार के फैसले का स्वागत करते

सापकोटा ने कहा कि इस मुद्दे को हल करने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है। उन्होंने कहा कि हिंसा की आशंका को खारिज नहीं किया जा सकता है लेकिन इसके बावजूद जनता की आवाज सुनी जानी चाहिए। जेएसी सरकार को कार्रवाई के लिए समय दे रही है। ज्वाइंट एक्शन कमेटी ने यह भी कहा कि उनकी भविष्य की कार्रवाई 9 फरवरी के विधान सभा सत्र के परिणाम पर निर्भर करेगी। साथ ही विभिन्न राजनीतिक समूहों और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ उनके आवास पर हुई बैठक के परिणाम पर भी हमारी आगे की कार्यवाही निर्भर करेगी।

हालांकि, सिक्किम में हालिया हिंसक रैलियों के साथ, जेएसी ने जोर दिया कि वे किसी भी हिंसा या राष्ट्र विरोधी गतिविधियों का समर्थन नहीं करते हैं। जन भागीदारी के माध्यम से केंद्र सरकार पर दबाव बनाने के तरीके के रूप में, हमारी सभी रैलियां राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान के गायन के साथ आयोजित की जाती हैं। सिक्किम बंद के दौरान जेएसी केवल दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान आदि बंद रहेंगे। आपातकालीन सेवाओं में हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा। हम राजनीतिक दलों से ऊपर हैं क्योंकि यह लड़ाई सिक्किम के बड़े समुदाय के लिए है। समिति में वर्तमान में शांता प्रधान इसके अध्यक्ष और छह उपाध्यक्ष हैं। प्रधान और जेएसी के अन्य प्रतिनिधि वर्तमान में केंद्र सरकार को अपनी मांगों को प्रस्तुत करने के लिए नई दिल्ली में हैं।

सपकोटा के अनुसार, जेएसी ने ग्राम पंचायत इकाई स्तर पर समितियों का गठन किया है और बंद के दौरान हर गांव में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। सपकोटा ने कहा कि हालांकि, अगर बंद से पहले केंद्र सरकार की ओर से कोई निर्णय लिया जाता है, तो हम अपनी योजनाओं पर पुनर्विचार करेंगे।

सीएम ने की किरेन रिजिजू से मुलाकात

'अप्रवासी' विवाद को लेकर की गई चर्चा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 05 फरवरी । राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले में सिक्किमी नेपाली को अप्रवासी बताने के खिलाफ उत्पन्न हुए विवाद के बीच आज केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू से मुलाकात की और सार्वोच्च न्यायालय के अवलोकनों से अवगत कराने और विस्तार से चर्चा करने के लिए एक ज्ञापन प्रस्तुत किया।

चर्चा के दौरान केंद्रीय कानून मंत्री ने सर्वोच्च न्यायालय के अवलोकन से संबंधित मुद्दों को धैर्यपूर्वक सुना। सीएम गोले ने बताया कि मैंने अनुच्छेद 371 एफ के तहत भारत के संविधान के प्रावधान पर प्रकाश डाला, जिसमें सिक्किम के लोगों के पूर्ण संरक्षण और अधिकारों की रक्षा पर जोर दिया गया है।

मुख्यमंत्री गोले ने बताया कि कानून मंत्री को अवगत कराया गया कि सिक्किम सरकार ने सिक्किम के सभी लोगों के व्यापक हित में मामलों को उपयुक्त रूप से संबोधित करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष समीक्षा याचिका दायर की है।

कानून मंत्री ने आश्वासन दिया कि भारत सरकार भी एक समीक्षा याचिका दायर कर रही है और इस संबंध में सिक्किम सरकार को पूरा समर्थन करेगी। उन्होंने आगे पुष्टि की कि भारत के सॉलिसिटर जनरल सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष उपस्थित होंगे और भारत सरकार सभी सिक्किमियों के हित में शीघ्र समाधान के लिए इस मामले को गंभीरता से ले रही है। राज्य के पर्यटन और नागरिक उड्डयन तथा वाणिज्य और उद्योग मंत्री बीएस पंथ भी बैठक के दौरान उपस्थित थे।

डीआर थापा ने आईएलपी के लिए समिति गठन का किया स्वागत

विभिन्न राज्यों में जाकर इसके प्रभाव का आकलन करेगी समिति

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 05 फरवरी । प्रदेश भाजपा के नवनियुक्त अध्यक्ष डीआर थापा ने इनर लाइन परमिट की संभावना तलाशने के लिए नौ सदस्यीय समिति गठित करने के राज्य सरकार के आदेश का स्वागत किया है।

राज्य भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रवासी मजदूरों के नाम पर पड़ोसी देशों से बढ़ती प्रवासी आबादी को रोकने के लिए वह विधानसभा के साथ-साथ विधानसभा के बाहर भी इस मुद्दे को उठाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि राज्य सरकार राज्य के हित में इसे बहुत गंभीरता से लेगी। सिक्किम सरकार ने 5 फरवरी को सिक्किम राज्य में इनर लाइन परमिट (आईएलपी) की प्रयोज्यता की निगरानी के लिए एक समिति का गठन किया है।

राज्य सरकार की पूर्व सचिव शांता प्रधान समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

समिति के अन्य सदस्यों में मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार टीएन ढकाल, शिक्षा विभाग के सलाहकार एमपी सुब्बा, सेवानिवृत्त अधिकारी सरला राई, सेवानिवृत्त आईएफएस पी गुरुंग, पूर्व सचिव एसडी छिरिंग, गंगटोक निवासी पासांग ग्याली शेरपा, ताशी चो चो, छेवांग ग्याछो आदि को भी समिति में शामिल कया गया है। यह समिति आईएलपी के कार्यान्वयन और अन्य उत्तर-पूर्वी राज्यों में इसके प्रभाव का अध्ययन करेगी और उपयुक्त सिफारिशें करेगी।

समिति अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम और नागालैंड का दौरा करेगी। समिति सभी हितधारकों से परामर्श करेगी और उनकी राय लेगी। यदि आवश्यक समझा गया तो समिति सिक्किम सरकार के किसी अन्य अधिकारी की सेवाएं ले सकती है और समिति इस अधिसूचना के जारी होने के एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

इससे पहले 3 फरवरी को सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग के नेतृत्व वाली एसडीएफ ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के फैसले में सिक्किमी नेपाली समुदाय के खिलाफ 'विदेशी' टिप्पणी पर केंद्र को सार्वजनिक संदेश देने के लिए 4 और 5 फरवरी को 48 घंटे के सिक्किम बंद का आह्वान किया था। विपक्षी सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) पार्टी के अध्यक्ष चामलिंग ने कहा कि इस बंद के माध्यम से हमें केंद्र सरकार को एक मजबूत संदेश देना चाहिए कि सिक्किम नेपाली समुदाय के लोग विदेशी नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ लोगों के लिए व्यक्तिगत रूप से सामने आना और अपनी आवाज उठाना संभव नहीं है। हमें सिक्किम के लोगों से सामूहिक प्रदर्शन की आवश्यकता है। लोकतंत्र में, विदेशी और अप्रवासी के दाग के खिलाफ हमारे सामूहिक विरोध को दिखाने के लिए बंद का आह्वान करना सबसे उपयुक्त उपाय है।

जेएसी के रैली में शामिल दो लोगों पर हमला

मामले की उचित जांच कर दोषियों को तत्काल गिरफ्तार करे पुलिस : कला राई

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 05 फरवरी । संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) के सदस्यों पर रविवार को दक्षिण सिक्किम के मेल्ली में आप्रवासी टैग के खिलाफ निकाली गई एक रैली के दौरान अज्ञात अपराधियों के एक समूह ने हमला कर दिया।

जेएसी नागरिकों का एक समूह है जो हाल ही में भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सिक्किमी नेपालियों को दिए गए अप्रवासी लेबल का विरोध कर रही है। समिति ने यह सुनिश्चित किया है कि वे राजनीतिक संबद्धता से स्वतंत्र हैं। हालांकि, जेएसी के कुछ सदस्यों ने दावा किया कि उन पर गलत तरीके से एक राजनीतिक दल से जुड़े होने का आरोप लगाया गया। जेएसी ने रविवार को रैली का आह्वान किया था।

जेएसी के डुक नाथ नेपाल ने कहा कि जब मल्ली में घटना हुई तब मैं वहां मौजूद था। पहले तो दो व्यक्ति आए और हमसे रैली के बारे में पूछताछ की। बाद में, लोगों का एक समूह आया और हमारे एक सदस्य को पीटना शुरू कर दिया। हमें बाद में पता चला कि जिसकी पिटाई की गई जेएसी का सदस्य था।

सिक्किम में एसडीएफ की ओर से मुख्यलमंत्री का पुतला जलाने और सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) के एक दूसरे पर हमले के बाद हिंसा का एक नया दौर शुरू होने की आशंका के बीच यह घटना हुई है।

जेएसी की नारी प्रभारी और एसकेएम पार्टी की नेता तथा गंगटोक नगर निगम की पार्षद कला राई ने मल्ली में हुई घटना के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि हम एक जांच चाहते हैं और जो भी इस कृत्य के लिए जिम्मेदार है, चाहे वह एसकेएम, एसडीएफ या किसी अन्य पार्टी से हो, उसे सिक्किम पुलिस द्वारा हिरासत में लिया जाना चाहिए। जेएसी के अनुसार, नामची जिले के मेल्ली में जेएसी की रैली के दौरान हुई घटना के दौरान दो सदस्यों को चोटें आईं।

उधर नामची में हिंसा की घटनाओं की सूचना मिली हैं। जहां एसकेएम के संदिग्ध सदस्यों को सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट एसडीएफ पार्टी से संबंधित घरों और कार्यालयों पर हमला करते देखा गया। यह प्रतिक्रिया शुक्रवार को एसडीएफ पार्टी के सदस्यों द्वारा मुख्यमंत्री प्रेम सिंह गोले का पुतला फूंकने के बाद आई है। इसके जवाब में एसकेएम कार्यकर्ताओं ने शनिवार को एसडीएफ नेता पवन चामलिंग का पुतला भी फूंका। दोनों घटनाएं राज्य की राजधानी गंगटोक में हुईं। यह हमला शनिवार को एसकेएम के 11वें स्थापना दिवस के दौरान सीएम गोले के भाषण के बाद हुई है, जहां उन्होंने अपनी पार्टी के सदस्यों से प्रतिशोध के लिए तैयार रहने का आह्वान किया था।

अप्रवासी विवाद पर राज्य में बवाल, अमित शाह ने सिक्किम के बीजेपी प्रतिनिधिमंडल को दिया भरोसा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 05 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट के नेपाली मूल के लोगों को अप्रवासी बताने पर सिक्किम में हंगामा जारी है। इसे लेकर सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट ने 48 घंटे के बंद का आह्वान किया है। हालांकि इस बंद के दौरान रविवार को हिंसा भड़क गई। जिसमें सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर एसडीएफ के मुख्यालय पर हमला बोल दिया और वहां तोड़फोड़ की। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। हालात को देखते हुए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

घटना गंगटोक में दामथांग रोड पर स्थित एसडीएफ मुख्यालय में घटी। पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। तीनों के खिलाफ आईपीसी की धारा 147 के तहत मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले गंगटोक में मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) का पुतला जलाने के आरोप में पुलिस ने 10 लोगों को गिरफ्तार किया था।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को सिक्किम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के नेतृत्व वाले एक प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि वित्त एवं गृह मंत्रालय एक समीक्षा याचिका दायर करके उच्चतम न्यायालय से सिक्किमी शब्द पर संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप स्पष्टता का अनुरोध करेंगे। यह जानकारी आधिकारिक सूत्रों ने दी।

अमित शाह की ओर से यह भरोसा ऐसे समय दिया गया है जब उच्चतम न्यायालय की एक टिप्पणी को लेकर राज्य में विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। शीर्ष अदालत ने राज्य के सभी पुराने निवासियों को आयकर छूट का विस्तार करते हुए सिक्किमी नेपाली समुदाय को अप्रवासी बताया था। गृहमंत्री शाह ने प्रतिनिधिमंडल से कहा कि सिक्किमी समुदाय की भावनाओं का सम्मान किया जाता है।

सूत्रों के अनुसार, शाह ने प्रतिनिधिमंडल से कहा कि सिक्किम के लोग भारत का अभिन्न और आवश्यक हिस्सा हैं। सिक्किम के लोगों के लिए संवैधानिक प्रावधान की रक्षा की जाएगी।

बता दें कि बीती 13 जनवरी को सिक्किम के निवासियों को इनकम टैक्स में छूट से संबंधित एक याचिका पर फैसला देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने नेपाली मूल के लोगों को अप्रवासी के रूप में संदर्भित किया था, जो सिक्किम में आकर बस गए थे। सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी से प्रदेश की राजनीति में खलबली मच गई और नेपाल मूल के लोग इसके विरोध में सड़कों पर उतर आए।

गौरतलब है कि सिक्किम में बड़ी संख्या में नेपाली मूल के लोग रहते हैं। सिक्किम में लोगों का विरोध किस पैमाने पर इसे इस बात से समझा जा सकता है कि राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी ने भी कोर्ट के फैसले के बाद विरोध प्रदर्शन किया।

रविदास जयंती के कार्यक्रम में शामिल हुए सिंधिया, कमलनाथ-दिग्विजय सिंह को बताया अतिथि

ग्वालियर, 05 फरवरी (एजेन्सी)। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रविवार को देश और प्रदेशवासियों को रविदास जयंती की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ग्वालियर निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है।

देशभर में आज रविदास जयंती मनाई जा रही है। इस मौके पर ग्वालियर चंबल अंचल में दलित वोट को साधने के लिए बीजेपी और कांग्रेस के तमाम बड़े नेता डेरा डाले हुए हैं। विदित हो कि मध्य प्रदेश में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं।

इसी क्रम में संत रविदास जयंती के मौके पर एक कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी पहुंचे। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा जो लोग अपने आप को जोड़ने में सक्षम नहीं है वे भारत को क्या जोड़ेंगे।

सिंधिया ने कहा कि जब राहुल गांधी की यात्रा चलती थी तो सब के सब साथ चलते थे। लेकिन जब यात्रा समाप्त हुई तो सब के सब बिखरने लगे और एक दूसरे पर वार करने लगे। यही असलियत है उस दल की और भारत जोड़ो यात्रा की।

इसके साथ ही रविदास जयंती के मौके पर ग्वालियर आए हुए पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह को लेकर सिंधिया ने जुबानी हमला किया। उन्होंने कहा कि कमलनाथ चार साल से हुंकार भर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि आज कमलनाथ जी और दिग्विजय सिंह ग्वालियर आए हुए हैं। उनका स्वागत है क्योंकि ग्वालियर का बहुत पुराना इतिहास रहा है कि अतिथियों का स्वागत किया जाता है। कमलनाथ ग्वालियर के अतिथि हैं और उनका स्वागत जरूर होना चाहिए। अतिथि देवो भवः। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि अतिथि, अतिथि होता है मुझे कहने की जरूरत नहीं है।

इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रविदास जयंती को लेकर कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए काम किया है। और यही पीएम नरेंद्र मोदी और बीजेपी का हमेशा ध्येय रहा है।

बाबा साहब का जो सम्मान और आदर विश्व पटल पर आया है तो वह हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वजह से। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि देश के संत समागम को जोड़ने का अगर किसी का ध्येय है तो वह हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि ग्वालियर रेलवे स्टेशन के पुनर्निर्माण की आधारशिला खुद देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रखेंगे।

सिंधिया एयरपोर्ट से जय विलास पैलेस होते हुए सीधे लक्ष्मण तलैया स्थित संत रविदास मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने सबसे पहले संत रविदास की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे संत जी की वाणी और वाक्यों पर ध्यान दें तो जीवन सहज और सुंदर हो जाएगा। उन्होंने जो जीवन दर्शन दिया वही जीवन का सार है।

इस मौके पर सिंधिया ने कन्या भोज में आईं बालिकाओं को अपने हाथ से खाना परोसकर उन्हें खिलाया और उनसे बातचीत भी की। बच्चियां भी सिंधिया से मिलकर बहुत खुश नजर आईं। इस मौके पर प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट, ऊर्जामंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर सहित बीजेपी के अनेक नेता मौजूद थे।

सिंधिया ने इस मौके पर ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र की विकास यात्रा की शुरुआत की। इस यात्रा का नेतृत्व क्षेत्रीय विधायक और ऊर्जामंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर खुद कर रहे हैं। वे इसके जरिए अपने क्षेत्र में कराए जा रहे विकास कार्यों की जानकारी अपने मतदाताओं को देंगे।

यात्रा पर निकलने से पहले ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि आज रविदास जयंती के जरिए कांग्रेस ने जो चुनावी शिगूफा छेड़ा है। एक चुनावी गुब्बारा उड़ाने की कोशिश की है। हम इस यात्रा के जरिए उस गुब्बारे में कील लगाने का काम करेंगे।

गौरतलब है कि संत रविदास जयंती के मौके पर बीजेपी और कांग्रेस के नेता दलित वोटों को साधने के लिए ग्वालियर में इकट्ठा हुए हैं। बीजेपी नेताओं में प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित तमाम बड़े नेता कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। वहीं, कांग्रेस की तरफ से पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह सहित तमाम बड़े नेता कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं।

आज फिर से होगी नगर निगम सदन की बैठक, क्या इस बार दिल्ली को मिलेगा मेयर?

नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेन्सी)। पिछले दो प्रयासों में मतदान पूरा करने में विफल रहने के बाद दिल्ली के मेयर का चुनाव को लेकर दिल्ली नगरपालिका हाउस सोमवार को बुलाने के लिए तैयार है। एक बार फिर से उपराज्यपाल के दिशा-निर्देश पर छह फरवरी को सदन की बैठक बुलाई गई है, जिसमें माना जा रहा है कि महापौर, उप महापौर और 6 स्थाई समिति के सदस्यों का भी चुनाव होगा।

डीएमसी अधिनियम 1957 के अनुसार, महापौर और उप महापौर का चुनाव निकाय चुनावों के बाद होने वाले पहले सदन में होता है। बहरहाल, नगर निकाय चुनाव हुए दो महीने हो चुके हैं और दिल्ली को अभी मेयर मिलना बाकी है।

छह जनवरी और 24 जनवरी को हुए पहले दो सत्र पीठासीन अधिकारी ने भाजपा और आप के सदस्यों के बीच हंगामे और तीखी नोकझोंक के बाद महापौर का चुनाव किए बिना स्थगित कर दिए थे। जहां 4 दिसंबर को हुए मतदान के बाद 250 सदस्यीय सदन का पहला सत्र पूरी तरह से व्यर्थ गया, वहीं दूसरे सत्र में मनोनीत सदस्यों के बाद निर्वाचित सदस्यों ने शपथ ली।

शपथ ग्रहण के बाद पीठासीन अधिकारी व भाजपा पार्षद सत्य शर्मा ने दूसरे नगर निगम सदन को अगली तिथि तक के लिए स्थगित कर दिया। जहां बीजेपी सदस्य आप विरोधी और अरविंद केजरीवाल विरोधी नारे लगाते हुए चैंबर से बाहर चले गए, वहीं आप सदस्यों ने करीब पांच घंटे तक सदन में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। राज्यसभा सांसद संजय सिंह सहित आप के वरिष्ठ नेताओं ने सदन से बाहर आने के बाद संवाददाताओं से कहा कि मेयर का चुनाव नहीं होने देने से भाजपा लोकतंत्र का गला घोंट रही है और ऐसा करने से एक खतरनाक परंपरा की शुरुआत कर रही है।

उधर, आप नेता और पार्टी विधायक आतिशी ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना से महापौर, उपमहापौर और स्थायी समिति के छह सदस्यों के चुनाव जल्द से जल्द सुनिश्चित करने की अपील की थी। बाद में आप की मेयर पद की उम्मीदवार शैली ओबेरॉय ने मेयर का चुनाव कराने में हो रही देरी को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

अब महापौर के चुनाव के लिए सदन का तीसरा सत्र सोमवार को होना है। निकाय चुनाव चार दिसंबर को हुए थे और वोटों की गिनती सात दिसंबर को हुई थी। आम आदमी पार्टी (आप) चुनावों में एक स्पष्ट विजेता के रूप में उभरी थी, उसने 134 वार्ड जीते और नगर निकाय में भाजपा के 15 साल के शासन को समाप्त कर दिया। भाजपा ने दूसरे स्थान पर रहते हुए 104 वार्ड जीते, जबकि कांग्रेस ने 250 सदस्यीय नगरपालिका सदन में नौ सीटों पर जीत हासिल की थी।

कांग्रेस का केंद्र पर मिलीभगत का आरोप, कहा- 'हम अदाणी के हैं कौन' कहकर सवालों से नहीं बच सकते

नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेन्सी)। अमेरिकी रिसर्च एजेंसी हिंडगनबर्ग की अदाणी समूह को लेकर रिपोर्ट आने के बाद सियासत भी तेज हो गई है। कांग्रेस ने सोमवार को केंद्र पर आरोप लगाते हुए कहा कि उसकी गहरी चुप्पी से मिलीभगत की बू आ रही है। हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा हाल ही में गौतम अदाणी के अगुवाई वाले समूह पर लेनदेन में धोखाधड़ी और शेयर मूल्यों में हेरफेर सहित कई आरोप लगाए गए हैं। इसके बाद से अदाणी समूह के शेयरों में लगातार गिरावट देखने मिली है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने एक बयान में कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे पर आज से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से एक दिन में तीन सवाल पूछेगी। उन्होंने कहा कि अदाणी समूह के खिलाफ आरोपों को बीच मोदी सरकार ने गहरी चुप्पी साध रखी है, जिससे इसमें मिलीभगत की बू आ रही है।

रमेश ने कहा कि 4 अप्रैल 2016 को पनामा पेपर्स के खुलासे के जवाब में वित्त मंत्री ने घोषणा की थी कि मोदी ने व्यक्तिगत रूप से कई एजेंसियों के एक समूह को निर्देश दिया था कि वह विदेशी टैक्स पनाहगाहों से आने-जाने वाले वित्तीय प्रवाह की निगरानी करे।

इसके बाद 5 सितंबर 2016 को चीन के हांगझोउ में जी-20 शिखर सम्मेलन में आपने (मोदी) कहा था, हमें आर्थिक अपराधियों के लिए सुरक्षित पनाहगाहों को खत्म करने, धन शोधन करने वालों का पता लगाने और उन्हें बिना शर्त प्रत्यर्पित करने, जटिल अंतरराष्ट्रीय नियमों और अत्यधिक बैंकिंग गोपनीयता के जाल को तोड़ने की आवश्यकता है, जो भ्रष्टाचारियों के कारनामों को छिपाते हैं। इससे कुछ सवाल उठते हैं, जिन्हें आप और आपकी सरकार एचएएचके (हम अदाणी के हैं कौन) कहकर नहीं छिपा सकते।

रमेश ने सवाल उठाते हुए कहा कि गौतम अदाणी के भाई विनोद अदाणी का नाम पनामा पेपर्स और पेंडोरा पेपर्स में ऐसे व्यक्ति के रूप में था, जो बहामास और ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स में ऑफशोर संस्थाओं का संचालन करता है। उन पर विदेशी शेल इकाइयों के जरिए स्टॉक हेराफेरी और लेखा धोखाधड़ी में शामिल होने का आरोप है। आपने भ्रष्टाचार से लड़ने में अपनी ईमानदारी और इरादे के बारे में अक्सर बात की है और यहां तक कि देश को नोटबंदी की भारी कीमत चुकानी पड़ी है।

तेलंगाना से बाहर बीआरएस की पहली रैली, केसीआर बोले- अब किसानों के हाथों में होगी देश की बागडोर

मुंबई, 05 फरवरी (एजेन्सी)। महाराष्ट्र के नांदेड़ में तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने कहा कि आजादी के 75 वर्ष के बाद भी आज देश में कई जगह न पीने को पानी, न सिंचाई के लिए पानी और न ही बिजली मिलती है। यह दुख की बात है कि महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा किसान आत्महत्या कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि किसान देश की बागडोर संभालें।

आम चुनाव से पहले केसीआर की अपने राज्य से बाहर यह पहली सभा है। वह तीसरा मोर्चा बनाने की कवायद में जुटे हैं। नांदेड़ में केसीआर भारत राष्ट्र समिति के बैनर तले रैली कर रहे हैं। केसीआर की इसके बाद देश के दूसरे हिस्सों में भी रैली करने की योजना है।

जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल और नेता चुनाव में जीत रहे हैं लेकिन लोग हार रहे हैं। इसलिए बीआरएस का नारा है 'अबकी की बार, किसान सरकार'।

अगर हम एकजुट होते हैं, तो यह असंभव नहीं है। हमारे देश में किसान 42 फीसदी से ज्यादा हैं और अगर इसमें खेत मजदूरों की संख्या भी जोड़ दी जाए तो यह 50 फीसदी से ज्यादा हो जाएगी जो सरकार बनाने के लिए पर्याप्त है।

केसीआर ने कहा, अब हमें राष्ट्रीय स्तर पर जाना है। अब एक बड़ा बदलाव चाहिए। कई लोग आते हैं और लंबा-लंबा भाषण देकर चले जाते हैं। 'मन की बात' करके चले जाते हैं। 75 साल बाद भी देश को पानी, बिजली नहीं मिल रहा है। देश में खाली भाषण चल रहा है, किसान पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

राव ने कहा, अब समय आ गया है। 75 साल एक लंबा समय हो चुका है। किसानों को भी लिखने और नियम बनाने में सक्षम होना चाहिए। महाराष्ट्र में कृष्णा और गोदावरी जैसी कई नदियां बहती हैं। फिर भी महाराष्ट्र में पानी की कमी क्यों है?

बीआरएस प्रमुख ने केंद्र की मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, आज मेक इन इंडिया जोक बनकर रह गया है। कहां गया मेक इन इंडिया? हर चीज तो चीन से आ रही है। हर गली में चाइना बाजार लग रहा है। मेक इन इंडिया है तो चाइना बाजार की जगह भारत बाजार लगना चाहिए। केसीआर ने कहा, अगर आप किसान सरकार, बीआरएस सरकार बनाएंगे तो दो साल में देश को जगमग कर देंगे।

कांग्रेस मिटा रही नफरत, बीजेपी बांट रही देश : बृजलाल खाबरी

वाराणसी, 05 फरवरी (एजेन्सी)। वाराणसी दौरे पर पहुंचे यूपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने केंद्र और यूपी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नफरत को मिटा रही है वहीं भाजपा देश को धर्म, संप्रदाय के आधार पर बांटने में लगी हुई है। भाजपा सरकार में सिर्फ और सिर्फ हम दो और हमारे दो को प्रश्रय मिलता है। दो बेचते हैं और दो खरीदते हैं। यह देश संविधान और कानून से चलता है लेकिन भाजपा सरकार हमारे संविधान को कमजोर करने का कुचक्र रच रही है। देश के संवैधानिक संस्थानों चुनाव आयोग, रिजर्व बैंक, सीबीआई, ईडी को भी पंगु बनाने की साजिश हो रही है।

रविवार को मैदागिन स्थित कांग्रेस महानगर कार्यालय पर प्रेसवार्ता के दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अगर हम सच्चे भारतीय हैं तो हमारा पहला फर्ज अपने देश की आत्मा यानि संविधान को बचाना है। कांग्रेस ने संविधान को हमेशा अपना आदर्श माना है।

उन्होंने कहा कि संविधान में लिखी हुई बातें सिर्फ अक्षर भर नहीं हैं, बल्कि वह हमारे लिए जीवन रेखा हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का मूलमंत्र नफरत और डर को मिटाना है। भाजपा सरकार की नजर सिर्फ वोट पर है। उसके लिए महंगाई, बेरोजगारी, रुपये का गिरता स्तर और आम आदमी की दुश्वारियों से कोई मतलब नहीं है।

सरकार ने लोगों को कर्ज के जाल में उलझा रखा है। लोग आत्महत्या करने को विवश हैं। आंकड़े बताते हैं कि भाजपा सरकार में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। हम जातिगत जनगणना के पक्ष में हैं। अंत में कहा कि यह जनता है, सब जानती है। जनता दूध का कर्ज भी अदा करना जानती है।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने रविवार को संत रविदास की जयंती पर सीरगोवर्धन स्थित मंदिर में शीश नवाकर प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की है। संगत के साथ बैठक उन्होंने लंगर छका और संत निरंजन दास का आशीर्वाद भी लिया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि संत रैदास जी की शिक्षाओं और उनके आदर्शों पर चलकर ही हम उनके सपनों के गांव बेगमपुरा को हकीकत में उतार सकते हैं।

संत रैदास पढ़ने से ज्यादा जीवन में ढालने और उस पर चलने का नाम हैं। जब भी मैं संत रैदास को पढ़ता हूं, मुझे उनकी वाणी से आत्म परिष्कार मिलता है। उनकी रचनाएं न सिर्फ एक काल विशेष का अतिक्रमण करती हैं बल्कि आने वाले हजार - हजार वर्षों तक पीढ़ियों को मार्गदर्शन करती रहेंगी। इस दौरान प्रांतीय अध्यक्ष अजय राय, राजेश्वर सिंह पटेल, राघवेंद्र चौबे आदि मौजूद रहे।

संसद ने भी माना है कि दिल्ली की वायु गुणवत्ता में हुआ सुधार : केजरीवाल

नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेन्सी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि संसद ने भी माना है कि राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए दिल्लीवासियों के निरंतर प्रयास को श्रेय दिया। केजरीवाल ने ट्विटर पर एक रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट साझा किया, जिसमें बताया गया है कि आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 में उल्लेख किया गया है कि अच्छे', संतोषजनक' और मध्यम' वायु गुणवत्ता श्रेणी के दिनों की संख्या 2016 के 108 की तुलना में 2021 में बढ़कर 197 हो गई।

मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया, देश की संसद ने भी माना कि दिल्ली की हवा की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है। ये दिल्ली वालों के सतत प्रयासों का नतीजा है। हम यदि ठान लें, तो हर मुश्किल काम संभव है। इसी तरह आने वाले समय में हमें वायु गुणवत्ता में अभी और भी सुधार करना है। साल 2022-23 का आर्थिक सर्वेक्षण 31 जनवरी को संसद में पेश किया गया था। आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि अच्छे', संतोषजनक' और मध्यम' वायु गुणवत्ता श्रेणी के दिनों की संख्या 2016 के 108 की तुलना में 2021 में बढ़कर 197 हो गई।

खराब', बहुत खराब' और गंभीर' श्रेणी के दिनों की संख्या 2016 के 246 की तुलना में 2021 में घटकर 168 हो गई। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शून्य से 50 के बीच अच्छा', 51 और 100 के बीच संतोषजनक', 101 और 200 के बीच मध्यम', 201 और 300 के बीच खराब', 301 और 400 के बीच बेहद खराब' और 401 और 500 के बीच गंभीर' माना जाता है।

आईटी के क्षेत्र में अमेरिका की सिलिकॉन वैली से आगे है भारत : अनुराग ठाकुर

हमीरपुर, 05 फरवरी (एजेंसी)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री बठाकुर ने कहा कि आईटी के क्षेत्र में भारत अमेरिका की सिलिकॉन वैली से आगे है। इसका उदाहरण है कि यहां कोविड टीकाकरण प्रमाण पत्र डिजिटल रूप से उपलब्ध है जबकि बाकी देशों के पास अभी भी यह कागजों पर है। अनुराग ने कहा कि देश आज डिजिटल अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है।

जहां चायवाला से फड़ीवाला सभी इंटरनेट की मदद से कारोबार कर रहे हैं। ऊना में भाजपा कार्यसमिति की बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि 2014 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद देश में 12.62 लाख करोड़ रुपये का डिजिटल लेनदेन दर्ज किया गया। नौ साल पहले जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब महंगाई 12 फीसदी थी और भ्रष्टाचार चरम पर था।

उन्होंने कहा कि आज अमेरिका जैसे देश 8.3 फीसदी की महंगाई दर से जूझ रहे हैं और भारत की महंगाई दर 5.7 फीसदी है। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था 7 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ेगी। अनुराग ने कहा कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पिछली कांग्रेस सरकार की तुलना में दोगुना बढ़ा है। देश में स्टार्टअप की संख्या 90,000 है। केंद्र सरकार ने कोविड के कठिन समय में देश की जनता को 220 करोड़ कोरोना वायरस के टीके मुफ्त में लगवाए।

4 लाख करोड़ रुपये खर्च कर 80 करोड़ गरीबों को 28 महीने तक मुफ्त अनाज दिया। भारत में कोविड वैक्सीन सर्टिफिकेट फोन पर डिजिटल रूप से उपलब्ध है जबकि बाकी देशों के पास अभी भी यह कागज पर है। भारत सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के क्षेत्र में अमेरिका की सिलिकॉन वैली से आगे है।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार ने हिमाचल को रेलवे परियोजनाओं के लिए 1900 करोड़ रुपए की राशि मंजूर की है। 1000 करोड़ रुपए भानुपल्ली रेललाइन के लिए मंजूर किए गए हैं। मोदी सरकार ने सबसे अधिक राशि हिमाचल की रेल लाइनों के

लिए स्वीकृत की है। 400 करोड़ रुपए से अधिक की राशि नंगल-तलवाड़ा रेल लाइन के लिए दी गई है। अनुराग ठाकुर ने एक सवाल के जवाब में कहा कि हिमाचल में कांग्रेस सरकार ने चुनावों में बड़े-बड़े वायदे किए थे। कई गारंटियां बांटी थीं और अब पर्याप्त बजट न होने का रोना रोया जा रहा है। चार वर्ष तक अर्थव्यवस्था को सही करने की बात कही जा रही है तो पांचवें वर्ष में तो चुनाव हैं। लोगों के कल्याण के लिए योजनाएं कब शुरू करेंगे।

प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के संदर्भ में अनुराग ठाकुर ने कहा कि समय-समय पर पार्टी की बैठकें होती हैं। इनमें उचित दिशा-निर्देश तथा कार्यकर्ताओं को पार्टी की नीतियों व कार्यक्रमों से अवगत करवाया जाता है।

उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव हैं तो ऐसे में इसके लिए पार्टी तैयारियों में जुट गई है। यूं तो देश भर में चुनाव चलते रहते हैं और अभी भी 9 राज्यों के चुनाव इसी वर्ष होने हैं। भाजपा अपनी रणनीति तैयार करती रहती है। इससे पहले पार्टी कार्यालय लालसिंगी पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर का कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

2024 में बीजेपी सरकार को उखाड़ फेकेंगे : चंद्रशेखर आजाद

वाराणसी, 05 फरवरी (एजेंसी)। संत रविदास की 646वीं जयंती समारोह में शामिल होने के लिए आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद रविवार को वाराणसी के सीरगोवर्धनपुर पहुंचे। संत रविदास की जन्मस्थली पर मत्था टेकने के बाद मीडिया से बातचीत में यूपी सरकार के कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए। इसके साथ ही जातिगत जनगणना की वकालत करते हुए उन्होंने लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने का दावा किया।

इशारों में समाजवादी पार्टी और स्वामी प्रसाद मौर्य की सराहना की। चंद्रशेखर ने किसी का नाम तो नहीं लिया लेकिन कहा कि धार्मिक ग्रंथ में अगर कहीं कुछ गलत लिखा है तो उसे बदलने की मांग सही है। रामचरित मानस पर विवादित टिप्पणी से संबंधित सवाल पर उन्होंने ये जवाब दिया। कहा कि अब हमारे समाज के लोग भी बीएचयू और जेएनयू जैसे संस्थानों में पढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख का आरोप सही है। देश में ऐसे कई वाकए सामने आएं हैं जब मंदिरों में जाने से रोका गया है। यूपी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि अनुसूचित व पिछड़ी जातियों और वंचितों को न्याय नहीं मिल रहा। इनके ऊपर कोई अपराध होता है तो पुलिस कार्रवाई नहीं करती।

हाल ही में जारी बजट पर आजाद समाज पार्टी के मुखिया ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य के बजट में कटौती की गई है। यह ठीक नहीं है। भाजपा पर हमला बोलते हुए चंद्रशेखर ने कहा कि जिस दिन इस देश का बेरोजगार सड़क पर खड़ा हो जाएगा तो सरकार को उल्टे पैर भागना पड़ेगा।

कहा कि बहुत जल्द हम लोग जातिगत जनगणना को लेकर बड़ा आंदोलन करने जा रहे हैं। प्रदेश के सभी जिलों में जाकर अपने समाज को जागरूक करेंगे। 2024 में हम लोग इतनी बड़ी संख्या में लोग खड़े करेंगे कि सरकार को उखाड़ फेंकेंगे।

आजाद समाज पार्टी व भीम आर्मी अध्यक्ष चंद्रशेखर रविवार सुबह समर्थकों के साथ संत रविदास की जन्मस्थली सीरगोवर्धपुर पहुंचे। संत रविदास मंदिर में शीश नवाया। इसके बाद वह संत निरंजन दास से मिले और उनका आशीर्वाद लिया। चंद्रशेखर रविदास भक्तों से भी मिले और कुशलक्षेम पूछा।

उन्होंने कहा कि हर साल संत के दरबार में हम हाजिरी लगाने आते हैं। आज मेला क्षेत्र में अपार जनसमूह उमड़ा है। सद्गुरु ने समतामूलक समाज की परिकल्पना की थी। उनकी जन्मस्थली में उमड़े जन सैलाब से यह पता चलता है कि समाज में अपने संतों, महापुरुषों के आदर्शों पर चलने के प्रति जागरूकता बढ़ी है। आनेवाले समय में इस समाज में और जागरूकता आएगी।

आरएसएस के साथ बातचीत जारी रखने के इच्छुक मुस्लिम नेता

नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसी)। मुस्लिम संगठनों का मानना है कि आरएसएस के साथ बातचीत जारी रहनी चाहिए और दोनों समुदायों के बीच संघर्ष का जल्द समाधान होना चाहिए।

जमात ए इस्लामी हिंद, जिनके प्रतिनिधि ने आरएसएस नेताओं से मुलाकात की, ने कहा, हमारी राय है कि आरएसएस के साथ बातचीत जारी रहनी चाहिए क्योंकि सरकार पर उनका प्रभाव है।

अपने स्पष्टीकरण में उन्होंने कहा: हम संघर्ष नहीं चाहते हैं इसलिए हमें उम्मीद है कि बातचीत सकारात्मक परिणाम देगी।

एक अन्य मुस्लिम बुद्धिजीवी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि गोकशी के मुद्दे पर समुदाय को विस्तृत प्रतिक्रिया देनी चाहिए, क्योंकि मामलों में मुस्लिम शामिल नहीं हैं और यह अब एक व्यावसायिक मुद्दा बन गया है। उन्होंने कहा कि लखनऊ में होने वाली ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा होने की संभावना है।

प्रख्यात मुस्लिम नागरिकों और धार्मिक संगठनों ने 14 जनवरी को दिल्ली के पूर्व एलजी नजीब जंग के आवास पर आरएसएस नेता इंद्रेश कुमार से मुलाकात की थी और समुदायों के बीच सद्भाव के मुद्दे पर चर्चा की।

मुस्लिम पक्ष का प्रतिनिधित्व जमात ए इस्लामी के नेता मोहतशिम खान ने किया। बैठक में जमीयत उलेमा हिंद के दोनों गुट मौजूद थे, जिनमें नियाज फारूकी, फजलुर्रहमान कासमी, शाहिद सिद्दीकी और एसवाई कुरैशी शामिल थे। नजीब जंग के साथ एएमयू के प्रतिष्ठित व्यक्ति और अजमेर दरगाह के प्रतिनिधि सलमान चिश्ती भी बैठक में थे।

सूत्रों ने कहा कि मुस्लिम पक्ष खुले तौर पर आरएसएस और उसके सहयोगियों से लिंचिंग के खिलाफ अपील चाहता है, और यह भी चाहता है कि सरकार टीवी पर नफरत फैलाने वाले प्रचार को रोके। आरएसएस का प्रतिनिधित्व इंद्रेश कुमार, कृष्ण गोपाल और राम लाल ने किया।

आरएसएस ने गोहत्या और भारत में बहुमत के लिए काफिर शब्द के इस्तेमाल का मुद्दा उठाया। मुस्लिम पक्ष ने कहा कि गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करें ताकि इस मुद्दे पर एक समान कानून बने और कहा कि वे अपने समुदाय से सार्वजनिक रूप से काफिर शब्द का इस्तेमाल नहीं करने के लिए कहेंगे।

बैठक में भाग लेने वाले शाहिद सिद्दीकी ने आईएएनएस को बताया, बातचीत जारी रखने पर आम सहमति है, जिसे दोनों पक्ष स्वीकार करते हैं ताकि सद्भाव बना रहे।

मुस्लिम पक्ष ने काशी और मथुरा के मुद्दों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और कहा कि विवादों को अदालत में सुलझाया जाना चाहिए।

22 अगस्त को संघ के नेताओं की मुस्लिम नेताओं से मुलाकात के बाद से यह बातचीत चल रही है।

सूत्रों ने कहा कि इस बैठक से पहले नजीब जंग और अन्य मुस्लिम बुद्धिजीवियों ने अरशद मदनी से मुलाकात की थी, जब मदनी ने जोर देकर कहा था कि बयान को सार्वजनिक किया जाना चाहिए ताकि समुदाय को एक आश्वासन मिल सके।

आग लगने से घर जलकर खाक

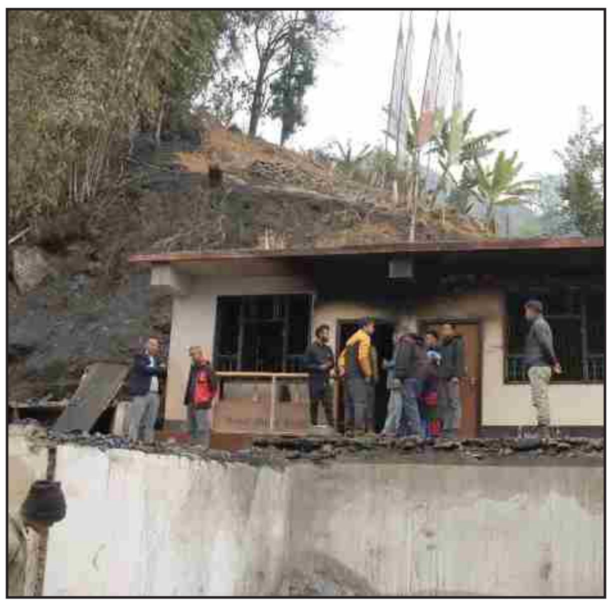

प्रीतम लामा

गेजिंग, 05 फरवरी। पश्चिम सिक्किम के योक्सम में अगलगी की एक घटना में टिंगटिंग गांव में छह कमरों का एक लकड़ी का घर जलकर खाक हो गया। अगलगी की यह घटना शुक्रवार देर शाम को हुई। टिंगटिंग गांव निवासी उगेंइ छेत्री का घर आग लगने से जलकर खाक हो गया।

घटना उस समय हुई जब परिवार के सदस्य काम पर गए हुए थे। स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। आग से घर में रखे महत्वपूर्ण दस्तावेज समेत सारा सामान जलकर राख हो गया। आग में घर में रखे तीन गैस सिलेंडर भी जल गए। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

स्थानीय पुलिस और पंचायतों की टीमें बचाव के लिए तुरंत मौके पर पहुंचीं और स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया।

योक्सम-ताशीडिंग विधायक सह उप सभापति सांगे लेप्चा ने भी घटनास्थल का दौरा किया और परिवार को मदद का आश्वासन दिया। दौरे के दौरान विधायक के साथ जिलाधिकारी (गेजिंग) डीएस लिंबू और स्थानीय पंचायत भी थे। दौरे के दौरान विधायक ने अपनी ओर से परिवार को तत्काल राहत सहायता के रूप में आर्थिक सहायता भी सौंपी और परिवार को राज्य सरकार की ओर से हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

इससे पहले, योक्सम-एसडीएम छिरिंग टी. भूटिया, बीडीओ एसएम लिंबू ने भी घटनास्थल का दौरा किया और नुकसान का आकलन किया।

सिक्किम रिजर्व बटालियन को सीएम ने प्रदान किया एम्बुलेंस

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 05 फरवरी। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने आज सिक्किम हाउस में नई दिल्ली में तैनात सिक्किम की भारतीय रिजर्व बटालियन के लिए एक एम्बुलेंस सेवा प्रदान की।

मारुति सुजुकी कंपनी (ईको वैन) की एम्बुलेंस सिक्किम ऊर्जा लिमिटेड द्वारा उनके कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के हिस्से के रूप में प्रायोजित है। दिल्ली में तैनात सिक्किम के आईआरबी सैनिकों के स्वास्थ्य और कल्याण और उनकी आपातकालीन जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध कराई गई। एम्बुलेंस नेबुलाइज़र, बीपी मशीन, ऑक्सीजन सिलेंडर और अन्य चिकित्सा आपातकालीन प्रावधानों जैसी सुविधाओं से लैस है।

सिक्किम हाउस, नई दिल्ली में आज एक आयोजित कार्यक्रम में मंत्री बीएस पंत की उपस्थिति में आईआरबी के जवानों ने एंबुलेंस उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया और उन्हें उनके जन्मदिन पर बधाई दी।

वोट बैंक के लिए नहीं होती योजनाएं : सीएम योगी

लखनऊ, 05 फरवरी (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार की योजनाएं वोट बैंक के लिए नहीं होती हैं। सरकार की योजनाओं की मंशा समाज के स्वावलंबन की होती है। समाज को स्वावलंबी बनाने के लिए डबल इंजन की सरकार प्रदेश में कई तरह की योजनाएं चला रही है। हमारी सरकार ने ऐसी कई स्कीम प्रारंभ की है जो छात्र-छात्राओं को आगे बढ़ाने में बड़ी मदद कर सकती है।

बालिकाओं के लिए प्रदेश के अंदर कन्या सुमंगला योजना चालू की गई है। बालिका के जन्म लेने के समय यदि उसका रजिस्ट्रेशन हो गया तो उसके नाम पर उसके परिवार के पास सरकार की तरफ से एक निश्चित राशि पहुंच जाती है। उन्होंने कहा कि अक्सर बालक और बालिकाओं के बीच में भेद किया जाता है, बालिका के साथ भेदभाव ना हो इसके लिए हमने मिशन इंद्रधनुष शुरू किया। इसके माध्यम से एक साल में सभी प्रकार के टीके बालिकाओं को लगे यह सुनिश्चित किया जाता है।

सीएम योगी रविवार को भाऊराव देवरस सेवा न्यास के महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प के भूमि पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने संत रविदास की 646वीं जयंती की बधाई दी। उन्होंने कहा कि बालक और बालिकाओं के लिए हमने अभ्युदय कोचिंग का शुभारंभ किया, जिससे बच्चों को फिजिकली और वर्चुअली फ्री में कोचिंग मिल रही है, जिसमें हमारे कम्पटीशन से निकले योग्य अभ्यर्थी पढ़ रहे हैं। इस बार यूपी लोकसेवा आयोग में 43 बच्चे ऐसे थे, जो अभ्युदय से जुड़े थे और उनका चयन हुआ। हम गरीब बच्चों को टेबलेट और स्मार्टफोन भी दे रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि शिक्षण संस्थानों और समाज को जागरूक होना होगा। यूपी में कृषि क्षेत्र में स्टार्टअप की अपार संभावनाएं हैं, हमें युवाओं को तैयार करना है। एमएसएमई यूपी का सबसे बड़ा बेस रखता है, यूपी के निर्यात को शासन ने थोड़ा प्रोत्साहन दिया और आज वह फिर से चलने लग गया और अब 1.60 लाख करोड़ रुपए का सालाना निर्यात यूपी से हुआ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री स्किल मिशन का चतुर्थ चरण प्रारम्भ होने जा रहा है, हमें अपने युवाओं को इसके लिए तैयार करना होगा। सारी योजनाओं को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाना अनिवार्य है ताकि डिग्री लेने के बाद युवाओं को यहां वहां भटकना ना पड़े।

सीएम योगी ने कहा कि भारत की परम्परा सदैव स्वावलंबन की रही है। इसके पीछे यहां का समाज रहा है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज की बात वास्तविकता है। पहले हमारे गांव और समाज आत्मनिर्भर थे। शासन पर उनकी निर्भरता न्यूनतम थी, जब समाज आगे चलेगा और सरकार उसके पीछे होगी तो समाज आत्मनिर्भर और स्वावलंबी होगा। वहीं जब सरकार आगे और समाज पीछे होगा तो समाज परावलंबी बनेगा। सरकार से हर चीज के लिए उम्मीद करेगा।

उन्होंने कहा कि गुलामी के कालखंड में हमारे गौरव के बोध को समाप्त करने के प्रयास किए गए। यही कारण थे कि हमारे बड़े-बड़े आस्था और शिक्षण के केंद्र तोड़े गए। भारतीय समाज खुद पर गौरव की अनुभूति न कर सके इसके लिए उसके स्वाभिमान को कुचला गया। उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव पहला ऐसा राष्ट्रीय पर्व है जिसे पूरे देश ने मनाया और उसके साथ जुड़ा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक आह्वान पर देश की 140 करोड़ की आबादी ने इस महोत्सव पर अपने-अपने घर पर तिरंगा लगाया और भारतीयता का एहसास दिलाया। यही भारतीयता का एहसास सदी की सबसे बड़ी महामारी कोविड के दौरान भी देखने को मिली, जब इतनी बड़ी आबादी ने टीमवर्क के रूप में कार्य किया, दुनिया का सबसे अच्छा कोरोना प्रबंधन का उदाहरण भारत ने दिया।

सीएम योगी ने कहा कि सरकार और समाज जब अनुशासन के साथ आगे बढ़ता है तो परिणाम भी उसी रूप में सामने आते है। उदाहरण के रूप में आज दो महापुरुषों से जुड़े पवित्र संस्थान के भूमि पूजन के कार्यक्रम के साथ हम जुड़े हैं। पहले डॉक्टर भाऊराव देवरस जिन्होंने लखनऊ में रह कर छात्रसंघ की राजनीति में सक्रिय हुए और देश की आज़ादी के आंदोलन में अपना योगदान एक युवा और नागरिक के रूप में किया। उसके उपरांत समाज के साथ जुड़ कर उसके लिए काम किया, जो आज भी हमारा मार्गदर्शन करता है। दूसरा नाम है भारत रत्न पंडित महामना मदन मोहन मालवीय का है, जो स्वतंत्र संग्राम सेनानी थे। वह आज़ादी के आंदोलन के दौरान न्यायालय जा कर क्रांतिकारियों की पैरवी भी करते थे। महामना मालवीय एक समाज सुधारक भी थे। पवित्र गंगा को रोकने का प्रयास

जब हुआ तब उन्होंने गंगा महासभा के माध्यम से आवाज़ उठाई। उन्होंने भारतीय परंपरा के अनुसार एक स्वतंत्र भारत में कैसा भारत हमें चाहिए उसके लिए कार्य किया और काशी हिंदू विश्वविद्यालय जैसा संस्थान प्रारम्भ किया।

कार्यक्रम में सीएम योगी ने संस्थान के तीन शिक्षकों और 12वीं के बाद उच्च शिक्षा के लिए अपने पहले प्रयास में प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। इस दौरान सीएम ने शिक्षकों को शाल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। वहीं छात्र-छात्राओं को मेडल पहनाया।

उसके बाद सीएम योगी ने प्रकल्प की प्रथम स्मारिका का विमोचन किया। महामना मदन मोहन मालवीय के जीवन पर आधारित इस स्मारिका में देश के मूर्धन्य विद्वानों के लेख हैं। न्यास की अर्धवार्षिक पत्रिका सेवा चेतना का भी सीएम योगी ने विमोचन किया।

CHANGE OF NAME

Army No-15215840N Hav (GNR) Patil Pramod Keshav. Vill-Kuchi,Tal-Kavathe Mahankal, Dist-Sangli. MH Pin-416405 Changed My Son Name from SWARAJ To PATIL SWARAJ PRAMOD vide affidavit No- 7535 Date-14/12/2022

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR DAMODAR MORNING
SUNDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:114 DrawDate on:05/02/23
1st Prize ₹1 Crore/- 89C 09359
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 09359 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
11148 12546 21516 29337 47354 60789 72204 81178 88071 93947
3rd Prize ₹450/-
0460 0505 3108 3671 4923 4969 5947 7651 8044 9404
4th Prize ₹250/-
1382 1678 2228 2359 2828 6827 7387 7679 8858 9640
5th Prize ₹120/-
0006 0030 0116 0170 0432 0440 0465 0477 0934 1255
1698 1739 1743 1929 1941 2131 2135 2137 2199 2259
2420 2443 2539 2623 2732 2789 2793 2811 2957 3016
3166 3457 3500 3601 3895 4049 4209 4230 4342 4347
4402 4413 4555 4600 4629 4671 4681 4714 4739 4803
4806 4898 4925 5012 5160 5235 5263 5309 5399 5413
5518 5716 5742 5891 5991 6103 6125 6162 6181 6282
6498 6512 6521 6913 6924 7080 7091 7185 7201 7236
7253 7409 7587 7606 7664 7810 7868 8275 8367 8369
8413 8707 8764 8829 9455 9493 9536 9634 9894 9958
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR JUPITER SUNDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:114 DrawDate on:05/02/23
1st Prize ₹1 Crore/- 93L 19817
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 19817 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
13044 33659 34077 35144 57050 60392 67151 72233 89279 90140
3rd Prize ₹450/-
2359 3237 5929 6455 7150 7652 8668 8736 8919 9976
4th Prize ₹250/-
0470 1480 2273 3243 5245 5436 5634 6764 8253 9278
5th Prize ₹120/-
0024 0027 0056 0098 0259 0326 0490 0582 0672 0743
0920 0974 1213 1265 1369 1566 1715 1740 1741 1779
1902 2050 2146 2401 2456 2536 2614 2936 3013 3069
3292 3339 3402 3439 3617 3679 3916 3985 4107 4215
4240 4298 4370 4629 4755 4857 4883 4934 5031 5044
5085 5117 5276 5427 5643 5786 5960 5972 6006 6012
6127 6248 6251 6281 6469 6720 6800 6838 6947 6955
7003 7034 7131 7391 7403 7454 7640 7711 7839 7849
7939 8039 8073 8151 8152 8169 8322 8436 8608 8681
9055 9126 9235 9347 9357 9526 9558 9755 9794 9949
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR HAWK EVENING
SUNDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:214 DrawDate on:05/02/23
1st Prize ₹1 Crore/- 91E 26257
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 26257 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
13953 22952 25818 31072 33092 36350 43078 75287 78222 96880
3rd Prize ₹450/-
0160 0637 1504 2060 6669 7419 7452 8384 9603 9919
4th Prize ₹250/-
0131 3323 3438 3983 5266 6491 6581 7238 8129 9745
5th Prize ₹120/-
0038 0241 0286 0525 0616 0642 0777 0780 1057 1059
1419 1556 1698 1749 1920 2002 2030 2042 2113 2233
2585 2674 2735 2757 2918 3081 3255 3338 3351 3445
3569 3586 3629 3884 3908 3958 4006 4345 4434 4474
4538 4582 4617 4906 4952 4996 5004 5057 5234 5321
5579 5690 5819 5897 5898 5991 6234 6443 6512 6530
6629 6651 6894 6954 7012 7036 7079 7142 7162 7196
7242 7271 7272 7453 7521 7574 7581 7588 7703 7968
7986 8067 8159 8207 8283 8567 8719 8772 8879 8902
8960 9021 9059 9101 9277 9278 9530 9640 9677 9757
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

जेल नहीं, बेल पर जोर

जमानत के बाद रिहाई में होने वाली देरी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने जो गाइडलाइंस जारी की है, उसकी बड़ी शिद्दत से जरूरत महसूस की जा रही थी। न्याय प्रशासन और जेल प्रशासन अपनी पुरानी रीतियों से इस कदर बंधा चल रहा था कि आज की उन्नत तकनीक के युग में उसकी कई बातें हास्यास्पद लगती थीं। उदाहरण के लिए अदालत से जमानत का आदेश हो जाने के बाद भी बहुतों की रिहाई सिर्फ इसलिए टल जाती थी क्योंकि तय समय तक उस आदेश की कॉपी जेल प्रशासन को नहीं मिलती थी। इस तरह के नियमों और तय प्रक्रियाओं का कैसा असर विक्टिम को झेलना पड़ता है इसका एक ज्वलंत उदाहरण पत्रकार सिद्दीक कप्पन के बहुचर्चित मामले में देखने को मिला है। कप्पन पर आरोप चाहे जो भी हों, यह तथ्य तो अपनी जगह है ही कि उन्हें यूएपीए मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर में और पीएमएलए केस में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिसंबर में जमानत दे दी थी। बावजूद इसके, इन्हीं प्रक्रियागत कारणों से उनकी रिहाई टलती रही। आखिरकार इस सप्ताह गुरुवार को वह जेल से बाहर आए।

ताजा गाइडलाइंस में सुप्रीम कोर्ट ने ठीक ही आदेश दिया है कि जमानत आदेश होते ही उसकी सॉफ्ट कॉपी जेल प्रशासन को ईमेल से भेज दी जाए ताकि उसके पहुंचने के लिए लंबा इंतजार न करना पड़े। इस गाइडलाइन के तमाम प्रावधान हाल के वर्षों में कई अलग-अलग मामलों में दिखे जुडिशरी के इस रुख के अनुरूप हैं कि बेल नियम होना चाहिए और जेल अपवाद। यह अलग बात है कि जुडिशरी के इस रुख पर व्यवहार में अमल कम ही हो पाता है। यही वजह है कि जेल में बहुत से आरोपी पांच-पांच और दस-दस साल से बगैर जमानत के पड़े हुए हैं। ध्यान रहे, देश भर में जेलों में बंद लोगों में 80 फीसदी विचाराधीन कैदी हैं यानी वे लोग जो अभी दोषी साबित नहीं हुए हैं, जिनके मामले अदालत में चल ही रहे हैं। और, अगर अदालतों में अपराध साबित होने की बात करें तो यूएपीए और पीएमएलए जैसे सख्त कानून तो छोड़िए आईपीसी के मामलों में भी इनका प्रतिशत बहुत कम है। हत्या के महज 42.4 फीसदी मामले अदालत में साबित होते हैं, रेप के 28.6 फीसदी और दंगों के मात्र 21.9 फीसदी। यह बात भी विभिन्न अध्ययनों से सामने आती रही है कि जेलों में बंद लोगों का बड़ा हिस्सा ऐसा होता है जो ढंग का वकील रखने या अपने हक की लड़ाई लड़ने में समर्थ नहीं होता। जाहिर है, ऐसे तमाम लोगों के लिए न्यायपालिका ही उम्मीद बन सकती है बशर्ते वह सिद्धांत पर सख्ती से अमल करे कि आरोप साबित होने से पहले हर कोई बेकसूर है।

कब तक दौड़ सकेंगे घोड़े मुंबई के

के. विक्रम राव

मुंबई में सवा सौ वर्ष पुराना रेस कोर्स आज सत्ता संघर्ष से घिर गया है। राज्य शासन, न्यस्त स्वार्थी तत्व तथा सियासती पार्टियों के बीच पड़ गया है।

आगामी माह प्रस्तावित मुंबई महानगर पालिका निगम निर्वाचन के कारण यह आम जन का भी मुद्दा बन गया है। मनपा का सालाना बजट 46 हजार करोड़ रुपये वाला है, जो सिक्किम और पुड्डुचेरी राज्यों को मिलाकर दुगुना है। युवा शिवसेना विधायक आदित्य ठाकरे चाहते हैं कि उनके पितामह बाला साहेब ठाकरे का विशाल स्मारक इस रेस कोर्स मैदान पर निर्मित हो।

मनपा की कोशिश है कि शहर के मध्य स्थित यह सागरतटीय सोने के भाव वाली भूमि कब्जिया कर रेस कोर्स को पूर्वी मुंबई के मुलुन्द उपनगर के दलदली क्षेत्र में खिसका दे।

समीपवर्ती नागरिक आवासी जन इस साढ़े आठ लाख वर्ग मीटर वाली हरित भूमि को विशाल पार्क के रूप में देखना चाहते हैं। मसला राज्य सचिवालय की फाइलों में उलझा हुआ है। लोलुप निगाहें गिद्धनुमा हैं, इसे हथियाने हेतु सभी एकाग्र हो गई हैं। उल्लेखनीय हैं कि इस अंडाकार मैदान में घोड़े पर दांव लगाने के पूर्व समीपस्थ (भूलाभाई देसाई मार्ग) प्राचीन महालक्ष्मी मंदिर में याचक जन अर्चना कर, दान का दावा-वादा कर यहां प्रवेश करते हैं। वारा-न्यारा करते हैं। कुछ खुशी से, बाकी गम से। मध्य मुंबई में अरब सागर के तट पर बसे इस रेस कोर्स का निर्माण 1883 में हुआ था। पारसी दानवीर सर खुसरो एन. वाडिया द्वारा प्रदत्त भूखंड पर यह बना है।

ग्रेटर मुंबई नगर निगम ने रॉयल वेस्टर्न इंडिया टर्फ क्लब इसे पट्टे पर दिया है। यही क्लब रेस कोर्स चलाता है। यह एक नामित विरासत संरचना है। दक्षिण मुंबई में रेस कोर्स नागरिक उपयोग के लिए खुला एकमात्र हेलीपैड भी है। घुड़दौड़ का मौसम नवम्बर के मध्य में शुरू होता है, और अप्रैल के अंतिम सप्ताह में समाप्त होता है। फरवरी में पहले रविवार को डर्बी सालाना आयोजित किया जाता है, और इसमें शहर की कई नामचीन हस्तियां भाग लेती हैं। 1986 से लेकर आज तक मैकडॉवेल्स इंडियन डर्बी प्रमुख कंपनी मैकडॉवेल्स कंपनी लिमिटेड के नाम से भगौड़े शराब कारोबारी विजय माल्या के यूबी ग्रुप द्वारा प्रायोजित की जाती रही है। मुख्य घुड़दौड़ ट्रैक की भीतरी लेन में व्यायाम, चलने या जॉगिंग के लिए निर्दिष्ट समय के दौरान आम मुंबईवासी सुबह और शाम को रेस कोर्स तक पहुंच सकते हैं। रेस कोर्स ने कई आम मुंबईवासियों को भी मैराथनर्स में बदल दिया है।

हांगकांग में हैप्पी वैली रेस कोर्स के समान इस रेस-ट्रैक के भीतर स्थित बगीचे में ताई-ची जैसे योग सत्र आयोजित किए जाते हैं। घुड़सवारी के लिए एमेच्योर राइडर्स क्लब द्वारा भी अनुमति प्रदान की जाती है। शाम को कुत्तों को घुमाने की भी अनुमति है, लेकिन जांच के बाद। सप्ताहांत गैर-रेसिंग दिनों के दौरान पोलो ग्राउंड पर एयरो-मॉडलिंग के शौकीन विमानों को उड़ाना, मोटरचालित रेडियो-नियंत्रित विमानों के साथ हवाई कलाबाजी करना आम बात है। हाल में मीडिया मालिकों ने जॉगर्स को सुबह समाचार पत्र देना भी शुरू कर दिया है। जिस जमीन पर रेस ट्रैक स्थित है, वह रॉयल वेस्टर्न इंडिया टर्फ क्लब को 99 साल के लिए लीज पर मनपा द्वारा दी गई थी। यह 31 मई, 2013 को खत्म हो गई। इस विशाल, कीमती भूखंड के उपयोग पर विविध राय हैं। कुछ लोगों को लगता है कि जमीन को सार्वजनिक पार्क में तब्दील कर देना चाहिए।

अन्य लोग पार्क की योजना को लेकर संशय में हैं, और महसूस करते हैं कि यह स्थान झुग्गियों और अतिक्रमणों से भर जाएगा। राज्य सरकार रेस कोर्स को और 30 साल के लिए लीज पर देने के पक्ष में है। शिवसेना रेस कोर्स की जमीन पर जिस अंतरराष्ट्रीय स्तर के बगीचे के निर्माण की बात कर रही है, वह इसे बाल ठाकरे का नाम देने की फिराक में है। परंतु राज्य सरकार शिवसेना की मांग से सहमत नहीं है। वह टर्फ क्लब को रेस कोर्स की जमीन का पट्टा (लीज) बढ़ाकर देने के पक्ष में नजर आ रही है। कारण यही कि यह भूभाग बेशकीमती है। हाल में मुंबई महालक्ष्मी स्थित रेस कोर्स मैदान की करीब सवा दो सौ एकड़ जमीन छोड़ने के लिए मुंबई मनपा प्रशासन की ओर से नोटिस जारी करेगी। यदि इसके बावजूद मैदान नहीं छोड़ा गया, तो कार्रवाई की जाएगी। वर्तमान में 5000 श्रमजीवियों को इससे रोजगार मिलता है। यहां राज्य सरकार कर वसूलती है। केवल 43 रेस दिनों की सट्टेबाजी टैक्स से 50 करोड़ रुपये साल मिलता है। शादियों और अन्य बाहरी कार्यक्रमों के लिए भी लॉन किराए पर दिए जाते हैं।

गत दिनों अपने मुंबई के प्रवास पर महालक्ष्मी मंदिर के बाद मैं रेस कोर्स भी गया था। पुरानी यादें ताजा हो गईं। तब (1964-65 के आसपास) टाइम्स ऑफ इंडिया के वि प्रसिद्ध घुड़दौड़ संवाददाता सेसिल हेंड्रिक्स (उपनाम पेगासस) मुझे रिपोर्टिंग सिखाने महालक्ष्मी घुड़दौड़ मैदान ले गए थे। वे यूनानी ग्रंथों में उल्लिखित उड़ने वाले घोड़े पेगासेस के नाम से अपना स्तंभ लिखते थे। यूं मैं जुआ, मदिरा और तंबाकू का सख्त विरोधी रहा पर पत्रकार के नाते केवल एक बार तब ही महालक्ष्मी में घोड़े पर बीस रुपये मैंने लगाए थे। पैंतीस रुपये जीते (आज के पांच सौ रुपये के बराबर)। वही पहली और अंतिम दफा था।

घुड़दौड़ पर दांव लगाना भारत में तथा अन्य राष्ट्रों में विकसित सभ्य समाज का दस्तूर और मनोरंजन समझा जाता रहा है। यूं घुड़सवारी सैनिक शौर्य का हिस्सा रही है। प्रसिद्ध अप्रेमी रॉल्फ कोल्फे ने कहा था कि दुनिया में कई खूबसूरत स्थल हैं पर सर्वश्रेष्ठ घोड़े की पीठ है। इस पर विचार आया कि मानव इतिहास भी घोड़ों की पीठ पर सवार होकर ही रचा गया। मोटर कार पर सवार होकर तो जाना जाता है कि इंसान ने क्या बनाया। मगर घोड़े पर चढ़कर पता चलता है कि ईर ने क्या बनाया। फिलहाल, मुंबई में इस चौपाये के कारण संकट उभरा है, आर्थिक और राजनैतिक भी।

कॉस्मिक काशी के कॉस्मेटिक कौतूहल

गौतम चटर्जी

काशी विश्व का सबसे प्राचीन शहर है। रोम का स्थान उसके बाद आता है। जाहिर है, इस प्राचीन शहर को अब तक खंडहर हो जाना चाहिए था। लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। कोविड के बाद काशी के प्रति कौतूहल में इतनी वृद्धि हुई है कि शहर भीड़ से भर गया है। पहले भी पूरी दुनिया यहां सदियों से आती रही है। हर कोई यहां आना और आकर रहना चाहता है। बाहर से आए जिस किसी से भी पूछो, वह यही कहता है कि यह शहर उसे पसंद है, यहीं बस जाने का मन करता है। लेकिन क्यों, इसका उत्तर साफ तौर पर मिल नहीं पाता।

इस रहस्य को हम इस तरह से समझ सकते हैं। बाहर से दिखने वाली कॉस्मेटिक (पार्थिव या भौगोलिक) काशी इस क्षेत्र का मन है और इसका आंतरिक तत्व कॉस्मिक (वैश्विक) काशी यहां का हृदय। कॉस्मेटिक काशी में परिवर्तन संभव है, इसलिए होता रहता है। कॉस्मिक काशी अनादि, अनंत और अपरिवर्तनीय है। कॉस्मेटिक काशी में भीड़ है, धूल है, शोर है, अपशब्द और आदिम जनजातीय व्यवहार है। कॉस्मिक काशी में यहां के ऋषि-मुनियों की अहर्निश और अक्षुण्ण तपस्या है, मानव कल्याण के वरेण्य व्रत हैं। असंख्य साधकों की आत्मिक तरंगें पूरी पृथ्वी को आकर्षित करती हैं, इसलिए वे यहां खिंचे चले आते हैं, क्योंकि वही उनकी अपनी आत्मा है, वही शिव उनकी आंतरिक पृथ्वी का लयात्मक सौंदर्य है, आनंद गान है। चूंकि वे कॉस्मेटिक शहर को देखते हैं, शहर के मन से जुड़ते हैं इसलिए उत्तर नहीं दे पाते। शहर का हृदय कब उनके हृदय से जुड़ गया, उन्हें पता ही नहीं चल पाता। कॉस्मिक होने की संभावना यहीं है।

कॉस्मेटिक काशी का इतिहास कुछ इस तरह है, जिसे अभी तक लिखा नहीं गया है। महाजनपद बनने से पहले यह आनंद कानन था। वृहत्तर भारतवर्ष में एकमात्र स्थान, जहां ऋषि-मुनि सहज ही साधना कर सकते हैं और जीवन को वैदिक बना सकते हैं। उन्होंने ही यहां की कॉस्मिक कहानी रची, जिसमें मनुष्य का आध्यात्मिक उत्तरण था। यह बुद्ध से पहले की बात है। तब यह क्षेत्र पंचक्रोशी था यानी तब के पांच कोस में विस्तृत, जो अभी तक है। उन्हीं दिनों में एक जनजाति यहां आकर रहने लगी, जिसका नाम था कासिस। उनके कारण आनंद कानन का नाम हुआ कासी, जिसका तत्सम उच्चार है काशी।

पूरे देश के परिप्रेक्ष्य में यह महाजनपद बना। इसका कॉस्मेटिक क्षेत्र कन्नौज से गोरखपुर तक फैलता रहा। यहां वरुणा और असि नदियों के कारण एक सीमित क्षेत्र वाराणसी प्रकट हुआ। गुर्जर प्रतिहार शासन तक वाराणसी कई बार काशी की राजधानी बनी। गहरवाड शासन में यानी 10 वीं शती में चंद्रदेव जैसे शासक ने यहां पंचक्रोशी में स्थित एक शिव मंदिर का जीर्णोद्धार कराया, जो छठी शती ईसवी का है और जो पंचक्रोशी में आने वाले पांच मंदिरों में प्रथम है। यही वह एकमात्र मंदिर है, जिस पर आततायियों की छाया नहीं पड़ सकी। यही वह स्थान है, जहां कर्दम और भरत मुनि हुए। सांख्य दर्शन के प्रतिष्ठाता कपिल मुनि कर्दम मुनि के ही पुत्र हैं।

अब तक यह पूरा क्षेत्र अर्धोन्मीलित अवस्था में है। यानी आंख आधी खुली हुई और आधी बंद, शिवचक्षु की तरह। आधी बंद आंख कॉस्मेटिक काशी है और आधी खुली आंख कॉस्मिक काशी। इस तरह हम इस क्षेत्र के मन कॉस्मेटिक काशी को वाराणसी और हृदय कॉस्मिक काशी को काशी कह सकते हैं। मन इस क्षेत्र का आवरण है, जो निरावरण प्रकाशमय काशी पर छाया रहता है। 20 वीं शती में यहां रहकर कई महापुरुषों ने इस आवरण को अपनी योग प्रविधि के बूते हटाया और यहां की प्राचीन और दुनिया की पहली शैवदृष्टि को फिर से प्रतिष्ठित करने में सफलता पाई, जिनमें हम श्यामाचरण लाहिड़ी महाशय और पंडित गोपीनाथ कविराज का नाम ले सकते हैं। उनके क्रियायोग और अखंड महायोग इस समय पूरी पृथ्वी का अनवरत कौतूहल हैं।

लोग इस कारण भी यहां खिचे चले आते हैं। पर त्रासदी यह है कि उन्हें ऐसी योग प्रविधियों के बारे में बताने वाला कोई नहीं है। शिक्षा, संगीत आदि की तरह अध्यात्म भी इन दिनों कॉस्मेटिक काशी यानी वाराणसी में लुप्तप्राय है। समय के साथ जनजातीय व्यवहार प्रगाढ़ होता रहा है।

कबीर की काशी में सभी अध्यात्म को समझना चाहते हैं, जैसे इतिहास को समझते हैं। अरूप अनुभूत करने की आंतरिक शक्ति प्रज्ञा है और रूप को समझने के लिए बाहरी इन्द्रियां। दोनों ही शक्तियां मनुष्य मस्तिष्क में उपहार की तरह उपलब्ध हैं। समझने वाला मस्तिष्क धार्मिक और दैव प्रतीकों को भी इतिहास दृष्टि से समझना चाहते हैं, लेकिन उन्हें कौन बताए कि दैव प्रतीकों का इतिहास क्रम नहीं होता कि पहले ब्रह्मा आए, फिर सरस्वती आईं, मानो पहले मुगल आए, फिर अंग्रेज। कॉस्मेटिक मन कॉस्मिक भाव को समझना चाहता है। आत्मा के बारे में यहां के योगियों ने तंत्रभाषा में बताया है कि आत्मा मनुष्य देह में स्थित है और उसकी लंबाई आठ उंगली है, जिसके आधार पर शिवलिंग का प्रतीक रचा गया। लेकिन यह आंतरिक स्थिति उसी तरह अरूप है, जैसे इड़ा और सुषुम्ना नाड़ियां। इसी दृष्टि से कॉस्मिक काशी में नटराज का वैश्विक नर्तन प्रतिपल सक्रिय है।

मजदूर का दुख

अंदाजा लगाया जा सकता है कि अगर पंजीकृत कारखानों में यह तस्वीर है तो असंगठित क्षेत्र में क्या हालत होगी, जहां किसी तरह के नियम-कायदे का पालन करना जरूरी नहीं समझा जाता। इस तरह के मामलों में पीड़ित तबका आमतौर पर बेहद गरीब और उपेक्षित होता है, इसलिए उनकी पीड़ा और अधिकारों की अनदेखी भी आम है। मगर अब राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने कारखानों में होने वाली दुर्घटनाओं की वजह से मजदूरों की मौतों के बढ़ते मामलों को गंभीरता से लिया है।

दरअसल, हाल ही में केंद्रीय श्रम मंत्रालय के एक संस्थान से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर एक लेख में बताया गया कि 2018 से 2020 के दौरान औद्योगिक इकाइयों में होने वाले हादसों में कम से कम तीन हजार तीन सौ इकतीस लोगों की मौत हो गई। मगर अफसोसनाक यह है कि ऐसी दुर्घटनाओं के लिए महज चौदह लोगों को सजा हो पाई। इसी मसले पर मानवाधिकार आयोग ने खुद संज्ञान लेते हुए सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों और श्रम सचिवों को नोटिस जारी किया है और उनसे कारखानों में होने वाली दुर्घटनाओं में मजदूरों की मौतों का ब्योरा उपलब्ध कराने को कहा है।

आयोग ने यह भी माना है कि देश में पंजीकृत कारखाने काफी कम हैं। इसके समांतर जो कारखाने पंजीकृत नहीं हैं, उनमें हुए हादसों और मजदूरों के हताहत होने का श्रम विभाग के पास कोई ब्योरा नहीं होता है। बल्कि पंजीकृत औद्योगिक इकाइयों में जितनी दुर्घटनाएं होती हैं, उनमें भी जानमाल की क्षति को कितने वास्तविक रूप में दर्ज किया जाता है, यह कहा नहीं जा सकता।

ऐसे में यह समझना मुश्किल नहीं है कि हाशिये के तबके के रूप में पहले ही कई तरह की वंचनाओं और अधिकारों के हनन के शिकार मजदूरों को किस त्रासदी से गुजरना पड़ता होगा। कहने को सरकार ने मजदूरों की सुरक्षा और सेहत को लेकर नई संहिता बना दी है। लेकिन जमीनी स्तर पर आज भी इससे संबंधित प्रावधानों को अमल में नहीं लाया जा सका है। जबकि अक्सर ऐसे मामले सामने आते रहते हैं, जिनमें सरकारें किसी नियम को लागू करने को लेकर बेहद संवेदनशील होती हैं और इसका उल्लंघन करने के आरोपी खासतौर पर कमजोर तबकों के लोगों को कई बार सख्त सजा भुगतनी पड़ती है। मगर कारखानों में हुई दुर्घटनाओं और उसके लिए जिम्मेदार लोगों या मालिकों तक के प्रति या फिर पीड़ितों को मुआवजे की नीति को लेकर सरकार को यही सजगता दिखाने की जरूरत नहीं लगती।

गौरतलब है कि देश में नब्बे फीसद से ज्यादा मजदूर असंगठित क्षेत्र में और दिहाड़ी पर काम करके गुजारा करते हैं, जहां न केवल उनकी मजदूरी की हकमारी होती है, बल्कि बुनियादी मानवाधिकारों का भी हनन होता है। यों कामगारों के अधिकारों और काम करते समय उनकी सुरक्षा का मसला शायद सबसे ज्यादा चर्चा का विषय रहा है। लेकिन आज भी अगर इसका कोई ठोस हल नहीं निकल सका है और अनेक मजदूर महज अव्यवस्था और लापरवाही की वजह से जान गंवा बैठते हैं तो इसके लिए किसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी?

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में मानवीय गुण

डेविड ब्रुक्स

पिछली गर्मी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से तैयार एक कलाकृति को कोलोराडो स्टेट फेयर में पहला पुरस्कार मिला। उसका चित्र मुझे किसी रंगमंच के पीछे के जीवंत दृश्य-सा लगा, जिसमें तीन गायकों की पीठ देखी जा सकती थी। उसके पीछे टेढ़ी-मेढ़ी अस्पष्ट रेखाएं थीं, जो भीड़ का चेहरा हो सकती थीं और नहीं भी। और पूरे चित्र में जो दृश्य सर्वाधिक प्रभावी था, वह लॉर्ड ऑफ द रिंग्स जैसा भव्य महल था, जहां वे कलाकार गा रहे थे। पहली नजर में वह कलाकृति आंखों को सुकून देती थी, लेकिन ज्यादा देर देखने पर लगती थी कि वह जीवंत बिल्कुल नहीं है।

'इस चित्र पर बहुत ध्यान से नजर दौड़ाने पर मैंने पाया कि ऐसी कोई चीज है, जो मुझे इसकी गहराई में जाने से रोक रही है। ऐसा तब हुआ, जब मैंने इसे बहुत नजदीक से देखा। वैसे में, चित्र के प्रति मेरी भावना गहराने के बजाय कम होने लगी', एल एम सैकेसस ने अपने अखबार के तकनीक और कला वाले कॉलम में लिखा।

यह कोई अनोखा अनुभव नहीं है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से तैयार की गई कलाकृति या गद्य के बारे में हमारा अनुभव आम तौर पर ऐसा ही होता है। ऐसी चीजें अनाकर्षक और अस्पष्ट मालूम होती हैं। ज्यादा स्पष्ट तरीके से कहें, तो यह कि इस तरह की कृतियों में मनुष्यता के स्पर्श का न होना सबसे अधिक खटकता है। इनमें किसी व्यक्ति के जुनून, दुख, चाह और व्यक्तिगत अनुभव का अभाव होता है। यह किसी व्यक्ति की कल्पना, मौलिक विचार, चिंता या आनंद की प्रतिच्छवि नहीं होता, जो विराट मानवीय सृजनात्मकता के बारे में बताती है।

इससे पता चलता है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आने वाले दौर की वास्तविकता क्या होगी। कृत्रिम बुद्धिमता हमें शानदार औजार तो देगी, जिनके जरिये हम अपने तमाम मौजूदा मानसिक क्रियाकलाप संपन्न कर सकेंगे। लेकिन इसके साथ-साथ यह मनुष्यों को इसके लिए भी प्रेरित करेगी कि हम अपनी प्रतिभा और हुनर को और तराशें, ये वे विशेषताएं हैं, जो सिर्फ हम मनुष्यों में ही पाई जाती हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमें बताती है कि उसके पास क्या नहीं है, और इस तरह यह सच उद्घाटित करती है कि हम मनुष्य में कितनी प्रतिभा है और हम क्या कर सकते हैं।

उदाहरण के लिए, अगर आप कॉलेज में पढ़ते हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में जाना चाहते हैं, तो आपको खुद से यह पूछना पड़ेगा : कौन-सी पढ़ाई मुझे पूर्ण मनुष्य बनाएगी और वह हुनर प्रदान करेगी, जो मशीन के जरिये संभव नहीं है? आप वैसी कक्षाओं में जाने से बचना चाहेंगे, जो आपको निर्वैयक्तिक और सामान्यीकृत तरीके से चीजों को समझाए-ऐसे नजरिये के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में जाने का नुकसान ही होगा। इसके बजाय आप विज्ञान या मानविकी में पढ़ाई करना चाहेंगे, जो आपमें मानवीय कौशल विकसित करे।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मनुष्य में वैसे निर्वैयक्तिक गद्य कौशल की क्षमता भर सकता है, जो कॉरपोरेट कम्युनिकेशन या अकादमिक जर्नल्स में देखी जा सकती है। अगर आप जॉर्ज ऑरवेल, जोआन डिडियन, टॉम वुल्फ या जेम्स बाल्डविन जैसी विशिष्ट लेखनी के धनी बनना चाहते हैं, तो आपको उन कक्षाओं में जाना होगा, जो खास और दूसरों से अलग बनने की क्षमता पैदा करे।

जॉर्ज मैसोन यूनिवर्सिटी के अर्थशास्त्री टाइलर कॉवेन लिखते हैं, 'सूचना प्रौद्योगिकी से पहले की पीढ़ी ने अंतर्मुखी लोग ज्यादा पैदा किए। जबकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में बहिर्मुखी प्रकृति के लोगों की बहुतायत होगी। ऐसे में, वही लोग खास काम कर सकेंगे, जो यह जताने में सफल होंगे कि वे आम लोगों से अलग हैं।' अच्छा भाषण लिखना और देना, श्रोताओं से जुड़ पाना तथा रचनात्मकता के साथ मनोरंजन की क्षमता का होना वे मानवीय कौशल हैं, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में संभव नहीं है।

मशीनी सोच के जरिये एक बड़ी आबादी के व्यवहार के पैटर्न को तो समझा जा सकता है, लेकिन किसी खास व्यक्ति के सोच-विचार के बारे में जानना मशीन के ज्ञान से संभव नहीं है। अगर कोई आम विचारों के बजाय खास व्यक्तिगत धारणाओं के बारे में जानना-समझना चाहता है, तो उसके लिए मानविकी की कक्षाओं से उपयुक्त और कुछ नहीं है। साहित्य, नाटक, जीवनी और इतिहास पढ़ने से हम यह जान सकते हैं कि दूसरे लोगों के मस्तिष्क में क्या चल रहा है। मशीन द्वारा एक बड़ी आबादी से जुड़े आंकड़ों की जानकारी देने की तुलना में अगर हम दूसरे व्यक्ति के नजरिये के बारे में जानें, तो हमारा हुनर ज्यादा कीमती होगा।

अच्छे शिक्षक वस्तुत: खुद को पढ़ाते हैं। जब मैं अपने श्रेष्ठ शिक्षकों के बारे में सोचता हूं, तो यह याद नहीं रखता कि पाठ्यक्रम में क्या था, बल्कि यह याद करता हूं कि वे शिक्षक कौन थे। पाठ चाहे विज्ञान का रहा हो या मानविकी का, मैं यह याद करता हूं कि उन शिक्षकों ने हममें ज्ञान का कैसा जुनून पैदा किया, किस प्रभावी और दिलचस्प तरीके से वे हमसे खुद को जोड़ लेते थे। उन्होंने हमें नैतिकता के मानकों के बारे में भी सिखाया : कि कैसे तथ्यों को महत्व देना है, कैसे अपनी गलतियां स्वीकारनी हैं, और जब छात्र नई चीजों की खोज करे, तब कैसे उन्हें दिशा-निर्देश देना है। मैं याद करता हूं कि पढ़ाई के दिनों में मैं अपने उन शिक्षकों की कितनी प्रशंसा करता और उन जैसा बनने की कोशिश करता था। ऐसा ज्ञान मशीनों से हमें कतई नहीं मिलने वाला।

क्या सच है ये जादू

जब टीवी या थियेटर में तुम जादू वाली मूवी देख रहे होते हो तो तुम्हे सच में जादुई दुनिया पर यकीन होने लगता है।

जब टीवी या थियेटर में तुम कोई फैंटेसी से भरी, जादू वाली मूवी देख रहे होते हो तो तुम्हे सच में जादुई दुनिया पर यकीन होने लगता है। ऐसा लगता है मानो हैरी पॉटर का जादुई झाडू और नार्निया का बोलने वाला रौबदार शेर सच में हो सकता है, लेकिन असल में परदे पर इन कल्पनाओं को साकार करने के लिए इंसानी दिमाग की ताकत और कम्प्यूटर जनरेटेड इमेजरी का भरपूर इस्तेमाल होता है। चलो ऐसे ही कुछ फैक्ट्स से रूबरू होते हैं, जहां इंसान के हाथों ने वीएफएक्स यानी विजुअल इफेक्ट्स के साथ जादू रचा है।

हैरी पॉटर

टैक्नोलोजी की आज की दुनिया में हालांकि स्पेशल इफेक्ट्स की दुनिया इतनी बड़ी हो गई है कि इंसान कई कल्पनाओं को सच कर सकता है। फिल्मों में इन इफेक्ट्स का होना दर्शकों के लिए रोमांच तो पैदा करता ही है, साथ ही साइंस से भी जोड़ता है। बच्चों के लिए बनने वाली फिल्मों में इस तरह के इफेक्ट्स और भी रोमांचक तरीके से फिल्माए जाते हैं ताकि बच्चे अपनी कल्पना का विस्तार कर सकें। हैरी पॉटर मूवी में हैरी के लम्बे चौड़े दानव रूपी दोस्त हैग्रिड का होना वास्तव में कुछ देर को अचंभित कर देता है। ऐसा लगता है कि क्या वाकई दुनिया में कहीं इतना बलशाली आदमी मौजूद है? पर असल में इसमें भी स्पेशल

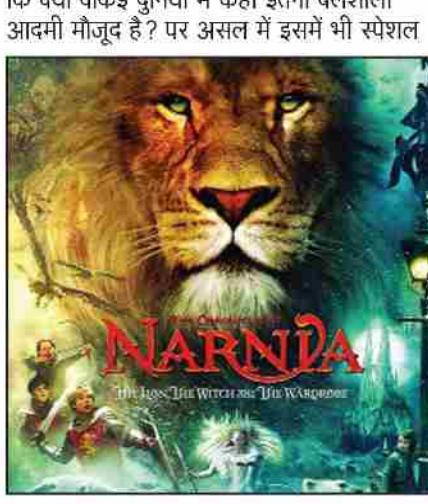

इफेक्ट्स का कमाल मिक्स है।
फिल्म के प्रोड्यूसर्स ने एक 6 फीट 10 इंच के आदमी को हैग्रिड की भूमिका निभाने वाले कलाकार के बॉडी डबल की तरह यूज किया। साथ में हैग्रिड की झोपड़ी के दो वर्जन बनाए गए। एक बड़ा सैट जिसमें हैरी, उसके दोस्त और बाकी नॉर्मल साइज के लोग छोटे दिखें और एक छोटा सैट जिसमें हैग्रिड दैत्य जैसा बड़ा दिखे। जब सीन को फाइनली एडिट करके विजुअल इफेक्ट्स के साथ दिखाया जाता है तो ऐसा लगता है मानों हैग्रिड सच में ऐसा ही है। यही नहीं इसी मूवी में जो घूमते, चलती-फिरती सीढ़ियां दिखाई देती हैं उनमें से सिर्फ एक ही असली थी बाकी सभी सीढ़ियों के छोटे मॉडल्स थे।

द क्रॉनिकल्स ऑफ नार्निया

इस सीरीज की एक मूवी को स्पेशल इफेक्ट्स के मामले में एक माइलस्टोन की तरह माना जाता है। इसके क्लाइमैक्स में हवा में अपनी जगह पर खड़ी लहरों को दिखाने के लिए स्पेशल विजुअल इफेक्ट्स का सहारा लिया गया। इस मूवी में ह्वाइट विच के रूप को दिखाने के लिए एक्ट्रेस टिल्डा स्विंटन के चेहरे पर ग्रीन स्क्रीन और 3 डी टैक्नीक का सहारा लिया गया।
उसके चेहरे को इस प्रकार दिखाया गया कि वह बर्फ की बनी नजर आए। इसके अलावा इसी सीरीज की एक मूवी में जब एक पानी में उछलने-कूदने वाली जलपरी की जरूरत पड़ी तो एक इंसानी चेहरे और मछली जैसी दुम के साथ आर्टिफिशियल मॉडल बनाकर उसे असली पानी के साथ शूट किया गया, ताकि वह असली जैसा लुक दे सके।

स्पेशल इफेक्ट्स से जुड़े कुछ बड़े नाम

जो नाम यहां शामिल हैं वे ज्यादातर किसी भी मूवी में स्पेशल इफेक्ट्स देने वाली टीम के लीडर या सीनियर सदस्य हैं। ऐसे कई लोगों की टीम मिलकर ही किसी मूवी में ढेर सारे इफेक्ट्स से जुड़े काम करती है जिसमें अलग-अलग डिपार्टमेंट होते हैं और सभी मिलकर काम करते हैं। इसलिए बधाई के पात्र भी सभी होते हैं।

- एंगस बिकर्टन- द क्रॉनिकल्स ऑफ नार्निया: द वॉएज ऑफ द डॉन ट्रेडर
- स्कॉट फेरर- ट्रांसफॉर्मर्स: डार्क ऑफ द मून
- टिम बुक- हैरी पॉटर एंड द डेथली हैलोज पार्ट-2
- वीज्ली सिवेल- थोर
- डेनिस म्यूरेन- सुपर 8, ईटी और जुरासिक पार्क
- डीन राइट और वेंडी रॉजर्स- द क्रॉनिकल्स ऑफ नार्निया-2

छोटा राजा

एक समय की बात है दूर एक देश में चिंटु नाम का एक लड़का रहता था और वह अपने माता-पिता से खुब प्यार करता था। चिंटु बहुत ही अच्छा लड़का था और इसी वजह से सब उसे खुब पसंद करते थे। लेकिन चिंटू जिस देश मे रहता था वहाँ का राजा बहुत ही क्रुर था। वहाँ के राजा से सब डरा करते थे। चिंटू रोज अपने आस-पास देखता की राजा के सेनिक लोगो को बेवजह तंग किया करते थे। ऐसे मे वह अपने पापा से पूछता, पिताजी ये लोग हमेशा दूसरों को तंग करते है। इन्हे रोकने वाला कोई नहीं है क्या?
पिताजी उस वक्त अपने कार्य मे व्यस्थ थे इस वजह से उन्होनें चिंटू से कहा, चिंटु, देख नहीं रहे हो बेटा मै अभी काम कर रहा हूँ। चलो जाओ अभी हम बाद मे बात करेंगे। ऐसा कहकर पिताजी ने चिंटू का जवाब नहीं दिया। लेकिन चिंटू तो ठहरा जिज्ञासु लड़का अगर उसे कुछ जानना हो तो वह कुछ भी करके जान ही लेता। ऐसे में वह अपनी माँ के पास गया और माँ से वही सवाल पुछा, माँ ये लोग हमेशा दूसरों को तंग करते है। इन्हे रोकने वाला कोई नहीं है क्या?
माँ ने अपने प्यारे से चिंटू की ओर देखा ओर कहा, इन्हे सिर्फ एक आदमी ही ऐसा करने से रोक सकता है।
और वो कौन है माँ? बताईये ना जल्दी बताईये। चिंटू ने कहा।
माँ बोली, अरे मेरे लाल इतनी भी क्या जल्दी है? क्या करोगे जान कर?
आप बताईये ना मुझे जानना है। चिंटू ने माँ से कहा।
माँ ने जवाब देते हुए कहा, वो राजा है बेटा। ये सारें सेनिक उन्हीं के है और वही इन्हें रोक सकते है।
चिंटू ने फिर सवाल पुछा, तो वो इन्हें ऐसा करने से रोकते क्यो नही?
माँ ने जवाब में कहा, क्योंकि हमारे राजा अच्छे राजा नही है। वो लोगो को खुब परेशान करते है ओर जो मील जाए उसे सजा सुना देते है। ऐसे में चिंटू ने कहा, माँ मैं इन सेनिको से लडूंगा और सबकी राजा से रखवाली करूंगा। माँ हस्ते हुए बोली, तुम तो बहुत छोटे हो, तुम्हारे पास कोई सेना भी नही है और ना ही तुम्हारे पास कोई जादुई ताकत है। तो फिर तुम कैसे राजा से लड़ोगे?
माँ की ऐसी बातें सुन कर चिंटू निराश हो गया और मन ही मन सोचने लगा की ऐसा क्या है जो मैं कर सकता हूँ?
अब रात का समय हो चला था और चिंटु के मन से वह बात घर कर चुकी थी। चिंटू सोते-सोते एक ही बात सोच रहा था की आखिर कैसे मैं राजा से लड़ सकता हूँ। यह सोचते-सोचते वह भगवान से विनती किया और कहा की हे भगवान मुझे सकती दो की मैं राजा को हरा कर देश के लोगो की रक्षा कर सकूँ। नींद में चिंटू को एक सपना आया। सपने में एक परी आई और उसने चिंटू से कहा, चिंटु तुम्हारी प्रार्थना भगवान ने सुन ली है और उन्होंने तुम्हें राजा से लड़ने के लिए ये तलवार दिया है। जबतक तुम्हारे पास यह तलवार है तुम्हारी ताकत बढ़ जायेगी ओर तुम्हारा कोई कुछ नहीं कर पायेगा। यह कहकर परी चली गई। चिंटू की सुबह नींद खुली और उठते ही उसने सबसे पहले अपना पुरा घर खोजा। वह अपने घर का एक-एक कोना खोजने लगा लेकिन उसे वह तलवार कही ना मिली। ऐसे मे थक हार कर चिटु अपने बिस्तर में जा बैठा। बैठे-बैठे वह सोचने लगा, क्या वह बस एक सपना था या ऐसा सचमें हुआ था?
अचानक चिंटू को याद आया की घर में ऐसी बस ऐसी एक जगह बची है जहाँ उसने अभीतक नहीं देखा है ओर वह था बिस्तर के नीचे। उसने तुरंत अपने बिस्तर के नीचे झुककर देखा और उसे वहाँ एक चमकिला तलवार मिला। तलवार को देखते ही वह उसे तुरंत बाहर निकाला। उस तलवार की चमक अन्य सभी तलवरो से अधिक थी और ओर तलवार दिखने में जादुई लग रही थी जैसा की परी ने उसे कहा था। अब चिंटू तलवार को हाथ में लिए राजा के महल की ओर चल पडा। चिटु की हाथ मे वह तलवार देख सब चौक गए ओर सब चिंटू के पीछे-पीछे राजा के महल की ओर जाने लगे।
जैसे ही चिंटू महल के दरवाजे की ओर पहुचा तो महल के 3 सिपाहियो ने उसे रोकने की कोशिश लेकिन उस तलवार की वजह से कोई भी चिंटू के सामने नही टिक पाया। अब चिटु महल के अन्दर जा पहुचा ओर राजा को सीधा चुनौती दिया।
एक छोटे बच्चे को अपने सामने देख राजा हसने लगा ओर कहा, बच्चे ये उम्र तुम्हारे खेलने की है चलो जाओ और तलवार यही छोड दो।
यह सुनकर चिंटू ने राजा पर सिधे हमला किया और दोनों के बीच लड़ाई चालू हो गई। दोनों के बीच की वह लड़ाई सरि जनता खड़े होकर देख रही थी। सबने देखा की चिंटू एक छोटा बच्चा कितनी बहादुरी से राजा से लड़ रहा है। और अन्त में उस तलवार ने अपना कमाल दिखाया और चिंटू ने उस राजा को हरा दिया।
अब उस देश का राजा चिटु बन चुका था। चिंटू से राजा ओर उसके सेनिको को कड़ी सजा दि। अब सब चिंटू के देश में खुश रहने लगे और चिंटू खुसी-खुसी अपने देश में राज करने लगा।

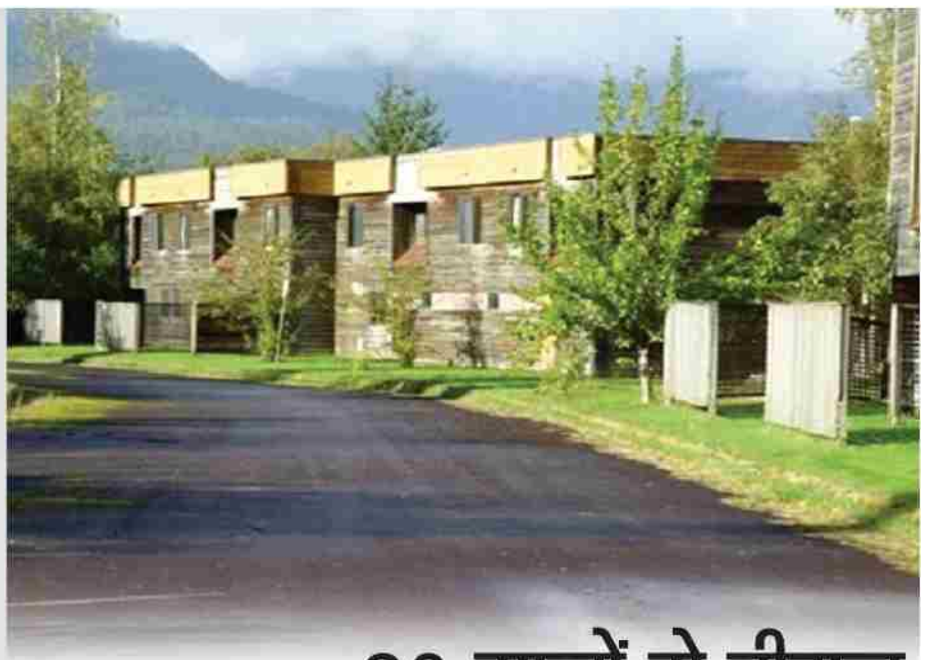

30 सालों से वीरान पड़ा है कनाडा का शहर किटसॉल्ट

दुनिया में ऐसी कई जगहें हैं, जिनके बारे में सुनकर हैरानी होती है। इनमें से कुछ जगहें अपनी खासियत के लिए जानी जाती है तो कुछ जगहें ऐसी भी हैं, जो अपने अजीबोगरीब कारणों के लिए प्रसिद्ध है। ऐसा ही एक शहर कनाडा में है, जिसका नाम किटसॉल्ट है। कभी इस शहर में अच्छी खासी बस्ती हुआ करती थी, लेकिन पिछले 30 सालों से ये जगह वीरान पड़ी हुई है। बताया जाता है कि इस शहर में 1200 लोग रहते थे। वे सभी शहर के पास चलने वाली एक माइनिंग कंपनी में काम करते थे, जिसकी वजह से उनकी रोजी-रोटी चलती थी। लेकिन कुछ समय बाद कंपनी का काम खत्म हो गया, ऐसे में वे सभी बेरोजगार हो गए और रोजी-रोटी की तलाश में शहर छोड़कर चले गए। आज भी यहां बेहतरीन मकान, रेस्त्रां, अपार्टमेंट्स, लाइब्रेरी सबकुछ है, लेकिन इंसानों के बिना ये बस्ती वीरान पड़ी हुई है। पिछले 30 सालों से वीरान होने के कारण कुछ लोगों का ये कहना है कि यहां अब प्रेत-आत्माओं का वास है।

भारत की इस दुर्लभ चायपत्ती की दुनिया भर में है डिमांड

भारत में लगभग हर घर में सुबह-सुबह चाय की भीनी-भीनी खुशबू से ही लोगों नींद खुलती है। चाय की एक-एक घूंट ताजगी भरा एहसास दिलाती है। अगर चाय की बात की जाए और असम का जिक्र ना हो, तो बात ही पुरी नहीं हो सकती है। असम के बगानों में चाय की कई प्रजातियों की खेती होती है। हाल ही में असम में दुर्लभ प्रजाति वाली चायपत्ती ने खास रिकॉर्ड बनाया है। इस चायपत्ती को नीलामी केंद्र पर 75 हजार रुपए प्रति किलो की कीमत पर बेचा गया है। मनोहारी गोल्ड टी खास तरह की दुर्लभ चायपत्ती है। इस चाय को गुवाहाटी चाय नीलामी केंद्र पर 75 हजार रुपए प्रति किलो की कीमत पर बेचा गया है। मनोहारी गोल्ड टी असम में इस साल दर्ज चाय की सबसे ऊंची कीमत है। इस खास चायपत्ती की खेती करने वाले मनोहारी टी स्टेट का कहना है कि इस साल इसकी केवल 25 किलो पैदावार हुई। कुल पैदावार में से 12 किलो चायपत्ती की नीलामी हुई है। मनोहारी टी स्टेट के मुताबिक, ये खास तरह की चायपत्ती होती है, जिसे सुबह 4 से 6 बजे के बीच सूरज की किरणें जमीन पर पड़ने से पहले तोड़ा जाता है। इस चायपत्ती का रंग हल्का मटमैला पीला होता है। इतना ही नहीं ये चायपत्ती अपनी खास तरह की खुशबू के लिए भी मशहूर है।
असम में इस दुर्लभ चायपत्ती की खेती 30 एकड़ में की जाती है। इस चायपत्ती के पौधों से पत्तियों के साथ कलियों को तोड़ा जाता है, फिर इन्हें फर्मेंटेशन की प्रोसेस से गुजारा जाता है। फर्मेंटेशन के दौरान इस चायपत्ती का रंग हरा से बदलकर भूरा हो जाता है। इसके बाद सुखाने पर ये चायपत्ती सुनहरे रंग की हो जाती है। डेक्कन हेराल्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक, लॉकडाउन, मानसून और बाढ़ का सीधा असर भी असम के चाय बगानों पर पड़ा है। चायपत्ती उद्योग इस साल 1 हजार करोड़ के घाटे से जूझ रही है। लेकिन हाल ही में हुए मनोहारी गोल्ड टी की नीलामी ने कुछ राहत पहुंचाई है।

हिमाचल में निवास करते हैं दुनिया के आधे कलहंस

विश्व की सबसे बड़ी आर्द्रभूमियों में से एक हिमालय की तराई में निर्मित कृत्रिम आर्द्रभूमि पोंग डैम इस समय लगभग 43,000 कलहंसों का निवास स्थल है। वन्यजीव अधिकारियों का कहना है कि यह विश्व में कुल कलहंसों की लगभग आधी आबादी है, जो हिमाचल प्रदेश के पोंग डैम में आश्रय लिए हुए हैं। अधिकारियों का कहना है कि इस बार पोंग आर्द्रभूमि में पिछले वर्षों की अपेक्षा अधिक संख्या में कलहंस पहुंचे हैं। वन (वन्यजीव) के सहायक संरक्षक डीएस डडवाल के अनुसार, आर्द्रभूमि में रहने वाली पक्षियों की प्रजाति की गणना में लगभग 43,000 प्रवासी पक्षियों की मौजूदगी का पता चला है। राज्य वन्यजीव विभाग ने 29 जनवरी को पोंग जलाशय में पक्षी गणना कराई थी। कलहंसों के अलावा कांगड़ा घाटी स्थित पोंग जलाशय में सामान्य कूट पक्षी, पिनटेल, सामान्य एवं गुच्छेदार तथा लाल कलगी वाले पोचार्ड प्रजाति के बत्तख, सामान्य चैती, छोटे जलकाग, बड़ी कलगी वाले ग्रेब और भूरी टांगों वाले कलहंस जैसी प्रजाति के पक्षियों की मौजूदगी का पता चला है।
पक्षी गणना में 119 प्रजातियों के 1,28,200 पक्षियों की मौजूदगी का पता चला है। साथ ही भारतीय आर्द्रभूमि क्षेत्र में कम ही दिखने वाले सामान्य शेलडक, सारस क्रेन, मछलियों का शिकार करने वाले बाज (ओस्प्रे), बफ बेलीड पिपिट, भारत में पाया जाने वाला स्किमर और छोटा गुल आधि प्रजाति के पक्षियों की मौजूदगी का भी पता चला है। डडवाल ने कहा कि पोंग डैम में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में कलहंस पक्षियों ने डेरा डाला है। कलहंस हर वर्ष मध्य एशिया तथा तिब्बत और लद्दाख से यहां प्रवास पर आते हैं। बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी के सहायक निर्देशक एस. बालाचंद्रन का कहना है कि कलहंस पक्षी बड़ी संख्या में पोंग डैम की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। पोंग डैम आर्द्रभूमि क्षेत्र में स्थानीय और प्रवासी पक्षियों की 421 प्रजातियां, सांपों की 18 प्रजातियां, तितलियों की 90 प्रजातियां, स्तनपाई जीवों की 24 प्रजातियां और मछलियों की 27 प्रजातियां पाई जाती हैं।

करोड़ों में बिकी है ये झोपड़ी

दुनिया में ऐसे कई आलीशान घर हैं जो अपनी खूबसूरती और गजब डिजायन के लिए फेमस हैं। ऐसे घरों की कीमत भी करोड़ों में ही होती है। जो आम लोग नहीं खरीद पाते हैं। ऐसे कई महल और बंगलों के बारे में आपने सुना होगा। लेकिन क्या आपने कभी सुना है कि एक झोपड़ी की कीमत भी करोड़ों में हो सकती है।
जी हां, ये बात सच है। इंग्लैंड में साधारण सी दिखने वाली एक झोपड़ी करोड़ों में बिकी है। दरअसल, तालाब किनारे इस झोपड़ी को पहले लोग साधारण मान रहे थे। कभी किसी ने इसकी तरफ ध्यान भी नहीं दिया। लेकिन हाल ही में ये झोपड़ी 10 करोड़ में बिकी है। जिसके बाद से ये झोपड़ी चाय पर चर्चा का विषय बन गई है। बिकने के बाद से इसकी सच्चाई सबके सामने आई तो लोगों के होश उड़ गए। साधारण सी दिखने वाली इस झोपड़ी का इंटीरियर महलों जैसा है। इसके अंदर की सजावट किसी बंगले से कम नहीं है बताया जा रहा है कि ये झोपड़ी नहीं बल्कि तीन बेडरूम वाला अच्छा-खासा घर है। जिसे 1964 में बनाया गया था। 2016 इसके मालिक ने इसके इंटीरियर पर काम किया और फिर 10 करोड़ में इसे बेच दिया। कई सालों तक यहां पर कई सिलेब्रिटीज किराए पर भी रहे। उस समय लोग समझते थे कि तालाब किनारे होने के कारण लोग यहां पर आते हैं लेकिन उन्हें इसकी खूबसूरती का पता नहीं था। सच्चाई पता लगने के बाद से इसकी खूबसूरत फोटोज सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। फोटोज में देखा जा सकता है कि इसका इंटीरियर किसी फाइव स्टार होटल से कम नहीं हैं। इसके मालिक ने बताया कि इससे पहले ये झोपड़ी 3 करोड़ में बिकी थी लेकिन तब यहां पर कोई सुविधाएं नहीं थीं। इसके मालिक ने इस झोपड़ी की फोटो शेयर करते हुए कहा कि 'अगर आप भी इसे एक छोटी सी झोपड़ी समझने की गलती कर रहे हैं तो ये आपकी सबसे बड़ी भूल होगी। इस भूल को सुधारने के लिए आपको एक बार यहां जरूर आना चाहिए और इसकी खूबसूरती देखनी चाहिए।'

अमेरिकी अदालत ने टेस्ला टवीट 2018 मामले में मस्क को क्लीन चिट दे दी

वाशिंगटन। टिवटर के अधिग्रहण के बाद से विवादों में घिरे रहे एलन मस्क को एक बड़ी राहत मिली है। 2018 के टेस्ला ट्वीट मामले में अमेरिकी अदालत ने मस्क को क्लीन चिट दे दी है। अमेरिकी जूरी ने अपने फैसले में बताया कि टेस्ला के सीईओ मस्क ने निवेशकों धोखा नहीं दिया है। जूरी के अनुसार, टेस्ला के सीईओ निवेशकों के नुकसान के लिए उत्तरदायी नहीं थे, क्योंकि उन्होंने ट्वीट किया था कि वहां कंपनी को निजी लेने और धन सुरक्षित करने के बारे में सोच रहे हैं। 2018 से जुड़े मामले पर अब जूरी का फैसला आया है, जिस पर मस्क ने खुशी जाहिर की है। मस्क ने ट्वीट कर जूरी धन्यवाद देकर लिखा, भगवान का शुक्र है, लोगों के ज्ञान की जीत हुई है! मैं टेस्ला 420 टेक-प्राइवेट मामले में जूरी के फैसले की सराहना करता हूं। मस्क ने अगस्त 2018 में ट्वीट किया था कि वह 420 अमेरीकी डॉलर में टेस्ला को निजी कंपनी बनाने पर विचार कर रहे हैं। इसके बाद उन पर निवेशकों के धोखा देने और गलत जानकारी देने का आरोप लगा था। इसके खिलाफ निवेशकों ने मस्क, टेस्ला और कंपनी के बोर्ड पर मुकदमा दर्ज किया था। जिसमें कहा गया था कि मस्क के इस ट्वीट से निवेशकों को वित्तीय नुकसान हुआ है। हालांकि, मामले के ट्रायल में अमेरिकी जूरी ने मस्क को उत्तरदायी नहीं माना है। जूरी ने कहा है कि टेस्ला के सीईओ मस्क और टेस्ला 2018 में मस्क के ट्वीट के माध्यम से निवेशकों को गलत जानकारी देने के लिए जिम्मेदार नहीं थे।

इजरायली सैनिकों ने फिलिस्तीनी व्यक्ति को मौत के घाट उतारा

रामल्ला। वेस्ट बैंक के नब्लस शहर के हुवारा गांव के पास इजरायली सैनिकों ने एक फिलिस्तीनी व्यक्ति को मौत के घाट उतारा। फिलिस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसाइटी (पीआरसीएस) ने कहा कि गांव के पास एक सैन्य चौकी पर इजरायली सैनिकों द्वारा गोली मारे जाने के बाद 24 वर्षीय अब्दुल्ला कलालवेह की मौत हो गई। इस बीच, इजरायली मीडिया ने बताया कि कार चला रहा एक फिलिस्तीनी चौकी के पास पहुंचा, अपने वाहन से बाहर निकला, और अन्य सैनिकों द्वारा गोली मारे जाने से पहले एक सैनिक के हथियार को छीनने की कोशिश की। इजरायली अधिकारियों ने इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की। 26 जनवरी को इजरायली सेना ने कब्जे वाले उत्तरी वेस्ट बैंक में जेनिन शरणार्थी शिविर पर छापा मारा और नौ फिलिस्तीनियों को मार डाला और 16 अन्य को घायल कर दिया। एक दिन बाद एक बंदूकधारी ने पूर्वी यरुशलम में एक यहूदी बस्ती में आराधनालय के पास लोगों पर गोलियां चलाईं, इसमें कम से कम सात लोग मारे गए। जनवरी की शुरुआत से हिंसा में लगभग 35 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2022 में वेस्ट बैंक में 170 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए थे और इस साल जनवरी में कम से कम 29 मारे गए हैं।

पूर्व पॉप स्टार गैरी ग्लिटर ब्रिटेन की जेल से हुए बाहर

-1970 के दशक में 3 युवतियों का यौन उत्पीड़न करने के मामले में 16 साल से थे कैद

लॉस एंजेलिस। पूर्व पॉप स्टार गैरी ग्लिटर को यौन उत्पीड़न के मामले में आधी सज़ा काटने के बाद शुक्रवार को इंग्लैंड की एक जेल से रिहा कर दिया गया। उसे 1970 के दशक में तीन युवतियों का यौन उत्पीड़न करने के मामले में 16 साल कैद की सज़ा सुनाई गई थी। ग्लिटर का असली नाम पॉल गड है। उन्यासी वर्षीय गायक को दक्षिण पश्चिम इंग्लैंड में डोरसेट की एक जेल से रिहा कर दिया गया। ब्रिटेन में दोषियों को आधी सज़ा पूरी करने के बाद जेल से रिहा करना आम बात है और इसके बाद उन्हें परिवीक्षा पर रखा जाता है। न्याय मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पॉल गड जैसे यौन अपराधियों पर पुलिस और परिवीक्षा सेवा करीब से निगाह रखती है और उन पर कुछ सख्त शर्तें लागू की जाती हैं, जिनमें उनके शरीर में जीपीएस टैग लगाना भी शामिल है। बयान में कहा गया है कि अगर अपराधी इन शर्तों का उल्लंघन करता पाया जाता है, तो उसे वापस जेल भेजा जा सकता है। गायक को तीन लड़कियों का यौन उत्पीड़न करने का दोषी पाया गया था, जिसमें से एक की उम्र 13 साल से कम थी। उसे अक्टूबर 2012 में गिरफ्तार किया गया था।

ग्लोबल फार्मा हेल्थकेयर पर अमेरिका में एक्शन, भारत में कंपनी पर छापेमारी

न्यूर्याक। यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक ग्लोबल फार्मा हेल्थकेयर अमेरिका में दी गई अपनी दवा की पूरी खेप को वापस मांग रहा है। कंपनी पर आरोप है कि उसकी दवा डालने से लोगों की आंखों की रोशनी चली गई, जबकि एक की मौत हो गई। इस खबर के बाद केंद्रीय एजेंसी भी हरकत में आ गई। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन और तमिलनाडु के ड्रग कंट्रोलर ने चेन्नई स्थित ग्लोबल फार्मा हेल्थकेयर पर देर रात छापा मारा। ग्लोबल फार्मा हेल्थकेयर, चेन्नई से 40 किमी दक्षिण में स्थित है। यूएसएफडीए ने कहा कि चेन्नई स्थित कंपनी इजरीकेयर, एलएलसी और डेलसैम फार्मा द्वारा उपभोक्ता स्तर पर वितरित की जा रही 'आर्टिफिशियल टियर्स ल्यूब्रीकैंट' आई ड्रॉप को संभावित संदूषण के चलते वापस ले रही है। बयान में कहा गया है कि आज की तारीख तक, आंखों में संक्रमण, स्थायी रूप से आंखों की रोशनी चले जाने और रक्तधारा संक्रमण से एक व्यक्ति की मौत होने सहित आंखों को नुकसान पहुंचने के 55 मामले सामने आ चुके हैं। कंपनी ने बयान में कहा है कि इसने इस उत्पाद के वितरकों अरु फार्मा इंक और डेलसैम फार्मा को इसकी सूचना दी है तथा अनुरोध कर रहा है कि थोक विक्रेता, खुदरा विक्रेता और ग्राहक, जिनके पास भी यह (वापस लिया जा रहा) उत्पाद है वे इसका उपयोग बंद कर दें।

ईशनिंदा सामग्री नहीं हटाने विकिपीडिया को पाकिस्तान ने ब्लॉक किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने देश में विकिपीडिया को ईशनिंदा सामग्री को हटाने के संदर्भ में 48 घंटे के लिए बैन कर दिया था। अब जब ईशनिंदा सामग्री नहीं हटी तो पाकिस्तान ने विकिपीडिया को ब्लॉक कर दिया। शहबाज सरकार ने ईशनिंदा वाले कंटेंट को हटाने का आदेश दिया था, लेकिन प्लेटफॉर्म ने कंटेंट को नहीं हटाया, जिसके बाद यह एक्शन लिया गया है। 1 फरवरी को पाकिस्तान में ईशनिंदा सामग्री पर 48 घंटों के लिए विकिपीडिया की सेवाओं को बैन किया गया था। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अब विकिपीडिया को 48 घंटे की समय सीमा समाप्त होने के बाद ब्लॉक कर दिया गया है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान ने विकिपीडिया सेवाओं को अवरुद्ध कर दिया है क्योंकि मंच अपवित्र सामग्री को हटाने में विफल रहा है। यह कार्रवाई पाकिस्तान दूरसंचार प्राधिकरण या पीटीए द्वारा अनुपालन न करने की स्थिति में कार्रवाई की चेतावनी के कुछ दिनों बाद आई है। पीटीए ने कहा कि अपवित्र सामग्री को ब्लॉक/हटाने के लिए विकिपीडिया से संपर्क किया गया था। फ़िलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि विकिपीडिया को क्या हटाने के लिए कहा जा रहा है। पीटीए ने एक बयान में कहा, मंच ने न तो ईशनिंदा सामग्री को हटाया और न ही अधिकारियों के सामने पेश हुआ। नियामक ने कहा कथित गैरकानूनी सामग्री को हटाने के अधीन विकिपीडिया की सेवाओं की बहाली पर पुनर्विचार किया जाएगा। दिलचस्प बात यह है कि विकिपीडिया पर विकिपीडिया की सेंसरशिप पर एक लेख है। इसमें उल्लेख किया गया है कि इसी तरह का विकिपीडिया प्रतिबंध चीन, ईरान, म्यांमार, रूस, सऊदी अरब, सीरिया, ट्यूनीशिया, तुर्की, उज्बेकिस्तान और वेनेजुएला सहित देशों में हुआ है।

दुनिया के कई देश ब्रिक्स में शामिल होने दिखा रहे हैं रुचि : नलेदी पंडोर

कैप्टाउन। दक्षिण अफीका की विदेश मंत्री नलेदी पंडोर ने कहा कि दुनिया के कई देश ब्रिक्स में शामिल होने में रुचि दिखा रहे हैं, जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि यह समूह बहुपक्षवाद को मजबूत करने, सुधारों को बढ़ावा देने और वैश्विक आर्थिक विकास को गति देने के अपने मूल्यों को लेकर प्रतिबद्ध बना हुआ है। ब्रिक्स, एक आर्थिक ब्लॉक है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफीका शामिल हैं। ब्रिक्स का गठन 16 जून 2009 को हुआ था। दक्षिण अफीका दिसंबर 2010 में इस संगठन में शामिल हुआ था। दक्षिण अफीका के अंतरराष्ट्रीय संबंध और सहयोग मंत्री नलेदी पंडोर ने मंगलवार को देश के लिम्पोपो प्रांत में 2023 की पहली ब्रिक्स शेरपा और सूस-शेरपा बैठक में शामिल हुए प्रतिनिधियों को संबोधित किया।

उत्तर-पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका के ज्यादातर हिस्सों में कड़कड़ाती ठंड के चलते न्यूयॉर्क शहर में मिडटाउन मैनहटन में सर्दियों के मौसम की सैर के खिलाफ लोग इकट्ठे हो गए।

गैरकानूनी तरीके से अमेरिकी सीमा में प्रवेश कराने भारतीयों से वसूले जाते हैं 21 हजार डॉलर

वाशिंगटन। एरिजोना की कोचाइस काउंटी के शेरिफ मार्क डैनल्स ने वाशिंगटन में सांसदों से कहा कि अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठन अमेरिकी सीमा में गैरकानूनी तरीके से प्रवेश करने में भारतीयों की मदद करने के एवज में उनसे औसतन 21 हजार डॉलर वसूलते हैं। डैनल्स ने इस सप्ताह सदन की न्यायपालिका समिति के सदस्यों को बताया कि एक आपराधिक संगठन ने विदेशी नागरिक को गैरकानूनी तरीके से अमेरिका में प्रवेश कराने के लिए कम से कम 7 हजार डॉलर वसूले। डैनल्स ने कहा कि मैक्सिको के साथ लगती सीमा सुरक्षित नहीं है। अमेरिका की दक्षिणी सीमा पर अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठनों का कब्जा है। उन्होंने कहा कि वे तय करते हैं कि कौन आएगा। उनका शुल्क इस बात से तय होता है कि आप कौन हैं। क्या आप किसी और देश से आने वाले आतंकवादी हैं। उन्होंने कांग्रेस सदस्य बैरी मूरे के एक सवाल के जवाब में कहा कि मुझे लगता है कि भारतीयों से 21 हजार डॉलर लिए जाते हैं, लेकिन न्यूनतम राशि अभी करीब 7 हजार डॉलर है। इनमें से ज्यादातर लोगों के पास इतना पैसा नहीं होता है। डैनल्स ने कहा कि इसलिए जब वे देश में आते हैं, तो अंत में इन संगठनों के गुलाम बन जाते हैं, जो देह व्यापार, संगठित अपराध, मादक पदार्थों की तस्करी और श्रम के लिए इनका इस्तेमाल करते हैं।

हाथों में एटमी ब्रीफकेस, दुनिया को पुतिन का विनाशकारी संदेश, जंग में हराने के बारे में सोचना भी मत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। हर गुजरते वक्त के साथ रूस और यूक्रेन की जंग और भीषण होती जा रही है। तोप से गोले ही नहीं दागे जा रहे हैं, रूस ने रणभूमि में न्यूक्लियर हथियार उतार दिए हैं। राष्ट्रपति पुतिन ने साफ-साफ कह दिया है कि रूस को हराने का ख्वाब पालने वाले देश अपने विनाश का बंदोबस्त खुद कर रहे हैं। रूस ऐसा न्यूक्लियर हमला करने के लिए तैयार है जिसे रोकना किसी के बस की बात नहीं है। रूस यूक्रेन के खिलाफ विध्वंसक जंग छेड़ने वाला है। अब तक दुनिया ने रूस की खतरनाक न्यूक्लियर यार्स देखी हैं। महाविनाशक सरमत मिसाइल देखी है। न्यूक्लियर पावर लगोरोद सबमरीन देखी है।

रूस के एटमी पावर का ट्रेलर दिखता रहा है। टीयू 160 एम और किंझल मिसाइल भी देखी है। लेकिन अब पुतिन ने अपना न्यूक्लियर ब्रीफकेस दिखाया है। न्यूक्लियर ब्रीफकेस का मतलब विनाश का बटन है और यह बटन बस दबने ही वाला है। सामने आए वीडियो में दो ब्रीफकेस नजर आ रहे हैं। एक वह जो बुलेटप्रूफ कैरी करता है जबकि दूसरा न्यूक्लियर ब्रीफकेस बताया जा रहा है। इसे न्यूक्लियर फुटबॉल कहते हैं। स्टालिनग्राद जंग की सालगिरह का अवसर था दो सिक्योरिटी गार्ड के पास ब्रीफकेस नजर आया। पुतिन से कुछ दूरी पर यह गार्ड्स खड़े थे। पुतिन जब न्यूक्लियर ब्रीफकेस के साथ दिखे उन्होंने उसी वक्त पश्चिमी देशों को एक बड़ी चेतावनी भी दे डाली। पुतिन ने दूसरे विश्व युद्ध के बाद तीसरे विश्व युद्ध के संकेत दिए। उन्होंने साफ कर दिया कि रूस के साथ आर पार का अंजाम दुनिया के लिए खतरनाक होने वाला है। जर्मनी को वर्ल्ड वॉर टू के खलनायक के साथ वर्ल्ड वॉर 3 से जोड़ते हुए अमेरिका को कड़ा संदेश दिया।

स्टेलिनग्राद जंग की सालगिरह पर पुतिन ने भारी लाव लश्कर के साथ नजर आए। उन्होंने स्टेलिनग्राद के शहीदों को नमन करते हुए पूरी दुनिया को अपना विनाशक हथियार भी दिखा दिया। यूक्रेन युद्ध के दौरान पहली बार पुतिन न्यूक्लियर ब्रीफकेस के साथ नजर आए। पुतिन ने कहा कि जंग में रूस को हराने के बारे में सोचना भी भूल होगी। वर्ल्ड वॉर टू की तरह नाजी के लेपर्ड टैंक हमारे बॉर्डर पर होंगे और पश्चिमी देश समझ लें की रूस के साथ आधुनिक जंग आसान नहीं है।

कंगाल पाकिस्तान के सामने आईएमएफ की कठोर शर्त मानने के अलावा कोई चारा नहीं

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की डूबती नैया को सिर्फ आईएमएफ ही सहारा दे सकता है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि सरकार को आईएमएफ की बेलआउट शर्तों से सहमत होना होगा, जो कल्पना से परे है। महीनों से रुकी वित्तीय सहायता को फिर से शुरु करने से जुड़ी अंतिम बातचीत के लिए आईएमएफ का प्रतिनिधि मंडल पाकिस्तान पहुंचा है। अक्टूबर में होने वाले चुनावों से पहले शहबाज सरकार आईएमएफ की शर्तों को लागू नहीं करना चाहती। दरअसल आईएमएफ की शर्तें एक कड़वी दवाई है, जो अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी हो सकती है, लेकिन जनता को पसंद नहीं आएगी।

आईएमएफ की शर्तों में टैक्स बढ़ाना और सब्सिडी में कटौती शामिल है। इस लेकर शाहबाज सरकार को जनता के गुस्से का सामना करना होगा। शहबाज शरीफ ने कहा, मैं डिटेल्स में नहीं जाउंगा, लेकिन इतना कहूंगा कि हमारी आर्थिक चुनौती अकल्पनीय है। आईएमएफ के साथ हमें जिन शर्तों पर सहमत होना होगा वे कल्पना से परे हैं। लेकिन हमें शर्तों से सहमत होना होगा। पाकिस्तान

इनदिनों कम होते विदेशी मुद्रा भंडार से जूझ रहा है। विदेशी कंपनियों को पेमेंट नहीं हो रहा, जिससे जरूरी सामान बंदरगाह पर ही पड़ा है।

पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार इस सप्ताह फिर गिरा है। विदेशी मुद्रा भंडार गिर कर 3.1 बिलियन डॉलर हो गया। विश्लेषकों का कहना है कि पाकिस्तान इससे सिर्फ तीन सप्ताह से कम का ही आयात कर सकता है। जबकि रूपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले निचले स्तर पर पहुंच गया है। दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी आबादी वाला पाकिस्तान अब जरूरी भोजन और दवाओं के अलावा किसी भी चीज के लिए क्रेडिट पत्र जारी नहीं कर रहा है, जिससे कराची बंदरगाह पर हजारों शिपिंग कंटेनरों का बैकलॉग हो गया है।

ऑस्ट्रेलिया हटाएगा 5 डॉलर के नोट से ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय की तस्वीर

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के केंद्रीय बैंक ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि पांच डॉलर के नए नोट पर ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय की तस्वीर के बजाय देश को प्रतिबिम्बित करने वाला कोई 'डिजाइन' होगा। हालांकि महाराजा चार्ल्स तृतीय की तस्वीर सिक्कों पर नजर आते रहने की संभावना है। ऑस्ट्रेलिया में केवल पांच डॉलर के नोट पर ही ब्रिटिश राजतंत्र की छाप नजर आती है। बैंक ने कहा कि सरकार के साथ विचार-विमर्श करने के बाद यह फैसला किया गया और सरकार ने इस बदलाव का समर्थन किया है। वहीं विपक्षी दलों ने इस कदम को राजनीति से प्रेरित बताया है। ब्रिटिश महाराजा को अब भी ऑस्ट्रेलिया का राष्ट्राध्यक्ष माना जाता है हालांकि अब उनकी भूमिका काफी हद तक प्रतीकात्मक रह गई है। ऑस्ट्रेलिया के रिजर्व बैंक ने कहा कि पांच डॉलर के नए नोट पर महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के चित्र की जगह एक अलग डिजाइन होगा। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का पिछले साल निधन हो गया था। बैंक ने कहा कि यह कदम ''मूल ऑस्ट्रेलियाई लोगों की संस्कृति व इतिहास'' के प्रति सम्मान को प्रदर्शित करेगा। बैंक ने एक बयान में कहा कि पांच डॉलर के नोट के दूसरी ओर पहले की तरह ऑस्ट्रेलियाई संसद की तस्वीर होगी।

जासूसी गुब्बारे में था 'बायो वेपन'? भड़के अमेरिका ने रद्द किया ब्लिंकन का चीन दौरा

वाशिंगटन(एजेंसी)। चीन की एक हरकत से अमेरिका में डर और गुस्सा एक साथ पनपा है। इस हरकत से अमेरिका में तनाव की स्थिति शुरू हो गई है। दरअसल, एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पेंटागन ने कहा कि एक चीनी जासूसी गुब्बारे को ट्रैक किया गया है। इस गुब्बारे को ऐसे समय में ट्रैक किया गया जब एक शीर्ष अमेरिकी राजनयिक की बीजिंग यात्रा होनी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका के एक रक्षा अधिकारी ने मीडिया से कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडेन के अनुरोध पर रक्षा सचिव लॉर्ड ऑस्टिन और शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने गुब्बारे को नीचे गिराने पर विचार किया। लेकिन ऐसा करने से बहुत से लोगों को खतरा हो सकता है।

हाउस ओवरसाइट कमेटी के अध्यक्ष ने जासूसी गुब्बारे को लेकर नया दावा करते हुए सनसनी मचा दी है। हाउस ओवरसाइट के अध्यक्ष जेम्स कॉमर (आर-केवाई) ने फॉक्स न्यूज को आकस्मिक रूप से सुझाव दिया कि संयुक्त राज्य अमेरिका में दिखने वाले संदिग्ध चीनी जासूसी गुब्बारे में 'वुहान' से 'जैव हथियार' शामिल हो सकते हैं। इस सप्ताह उत्तरी अमेरिका में एक चीनी

निगरानी गुब्बारे को देखे जाने के बाद, रिपब्लिकन ने राष्ट्रपति जो बाइडेन पर चीन के प्रति उनके प्रशासन की नीति में कथित 'कमजोरी' को लेकर जमकर निशाना साधा। ग्रैंड ओल्ड पार्टी में कुछ ने राष्ट्रपति को 'बीजिंग बाइडेन' तक कह दिया। इसके साथ ही यह दावा किया कि 'कम्युनिस्ट चीन' बाइडेन का 'डर या सम्मान' नहीं करता है।

बाइडेन प्रशासन ने सचिव एंटनी ब्लिंकेन की चीन की आगामी यात्रा को स्थगित कर दिया है। चीन ने जोर देकर कहा है कि संदिग्ध स्पाईक्राफ्ट वास्तव में सिर्फ एक 'नागरिक हवाई पोत' है जो 'अपने नियोजित रेंज से दूर चला गया है। उसका (बीजिंग का) 'किसी भी संप्रभु देश के क्षेत्राधिकार तथा वायु क्षेत्र का उल्लंघन करने का कोई इरादा नहीं है। इस बैलून कांड के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है।

भारत में बनी आई ड्रॉप से अमेरिका में चली हुई कई लोगों की आंखों की रोशनी, फार्मा कंपनी पर ड्रग कंट्रोलर का छापा

वाशिंगटन (एजेंसी)। यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार ग्लोबल फार्मा हेल्थकेयर अमेरिका में दी गई अपनी दवा की पूरी खेप को वापस मांग रहा है। कंपनी पर आरोप है कि उसकी दवा डालने से लोगों की आंखों की रोशनी चली गई, जबकि एक की मौत हो गई। इस खबर के बाद केंद्रीय एजेंसी भी हरकत में आ गई। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन और तमिलनाडु के ड्रग कंट्रोलर ने चेन्नई स्थित ग्लोबल फार्मा हेल्थकेयर पर देर रात छापा मारा। ग्लोबल फार्मा हेल्थकेयर, चेन्नई से 40 किमी दक्षिण में स्थित है।' दोनों दलों में तीन-तीन अधिकारी हैं।

सामने आए 55 मामले

अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) ने एक बयान में कहा कि चेन्नई स्थित कंपनी इजरीकेयर, एलएलसी और डेलसैम फार्मा द्वारा उपभोक्ता स्तर पर वितरित की जा रही 'आर्टिफिशियल टियर्स ल्यूब्रीकैंट' आई ड्रॉप को संभावित संदूषण के चलते वापस ले रही है। बयान में कहा गया है कि आज की तारीख तक, आंखों में संक्रमण, स्थायी रूप से आंखों की रोशनी चले जाने और रक्तधारा संक्रमण से एक व्यक्ति की मौत होने सहित आंखों को नुकसान पहुंचने के 55 मामले सामने आ चुके हैं।

कंपनी ने क्या कहा?

कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर पोस्ट किये गये

एक बयान में कहा है कि इसने इस उत्पाद के वितरकों अरु फार्मा इंक और डेलसैम फार्मा को इसकी सूचना दी है तथा अनुरोध कर रहा है कि थोक विक्रेता, खुदरा विक्रेता और ग्राहक,जिनके पास भी यह (वापस लिया जा रहा) उत्पाद है वे इसका उपयोग बंद कर दें।

महारानी एलिजाबेथ को मारने समेत 3 आरोपों में ब्रिटिश सिख दोषी करार, 31 मार्च को सजा सुनाएगी अदालत

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटिश अदालत ने उस मामले की सुनवाई पूरी कर ली है, जिसमें एक ब्रिटिश सिख ने 2021 में क्रिसमस के दिन महारानी एलिजाबेथ को मारने की योजना बनाई थी। पुलिस ने उसे लोडेड क्रॉसबो के साथ गिरफ्तार किया था। उसने राजद्रोह के आरोपों को स्वीकार कर लिया है। 21 वर्षीय जसवंत सिंह चेल को शुक्रवार को ओल्ड बेली में सुनवाई के दौरान देशद्रोह अधिनियम के तहत एक अपराध सहित तीन आरोपों में दोषी ठहराया गया। चेल ओल्ड बेली में ब्रॉडमूर अस्पताल से वीडियो अपलिंक के माध्यम से पेश हुआ, जहां वह वर्तमान में है, उसे अदालत द्वारा 31 मार्च को सजा सुनाई जाएगी। मेट्रो ने बताया कि उसने देशद्रोह अधिनियम 1842 के तहत दिवंगत महारानी को घायल करने या सचेत करने का इरादा स्वीकार किया। साउथेम्प्टन, हैम्पशायर के निवासी चेल ने कथित तौर पर कहा था मैं यहां रानी को मारने के लिए हूं, उसे हथकड़ी लगाई गई और गिरफ्तार किया गया।

पाक-चीन के संबंधों में आई दरार, कंगाली के वक्त बीजिंग ने खींचे हाथ तो बौखलाया पाकिस्तान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान और चीन के रिश्ते बिगड़ते नजर आ रहे हैं, क्योंकि आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की चीन खुद भी कोई मदद नहीं कर रहा, साथ ही अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से भी किसी प्रकार की मदद दिलाने में सहयोग नहीं कर रहा है। उल्टा चीन ऐसे कठिन समय पर पाकिस्तान को मैसेज भेज-भेजकर अपने कर्ज को लौटाने की याद दिला रहा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पिछले साल जब चीन दौरे पर गए थे तो उन्हें उम्मीद थी कि कुछ पैसा और उधार मिल जाएगा, लेकिन चीन ने पैसा देने की जगह पाकिस्तान में काम कर रहे चीनी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का फरमान सुना दिया। बीजिंग से मुंह लटकाये इस्लामाबाद लौटे शहबाज शरीफ ने जब यह बात अपने सहयोगियों को बताई थी तो सभी हक्के-बक्के रह गये थे, क्योंकि अमेरिका ने भले डॉलर भेजने बंद कर दिये थे लेकिन पाकिस्तानियों को उम्मीद थी कि ड्रैगन मदद देना बंद नहीं करेगा, लेकिन ड्रैगन ने अपना रुख बदला है। उसने पाकिस्तान को पैसे देने भी बंद कर दिये और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उसका सहयोग भी अब पहले जैसा नहीं रहा है। हाल ही में जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की ओर से अब्दुल रहमान मक्की को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित किया गया तो वह चीन के अप्रत्यक्ष सहयोग से ही संभव हो पाया था। दोस्त चीन की यह हरकत देखकर पाकिस्तान आग बबूला हो गया है। चीन को संदेश देने के लिए पाकिस्तान ने अपने वर्तमान खराब हालात का हवाला देते हुए चीनी नागरिकों को सुरक्षा देने से इंकार कर दिया है।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार ने देश में लगातार हो रहे आतंकी हमलों के बीच प्रांत में रहने वाले चीनी नागरिकों से कहा है कि वह उन सभी को सुरक्षा मुहैया नहीं कराएगी और इसके लिए उन्हें निजी सुरक्षा कंपनियों की सेवा लेनी चाहिए। पेशावर शहर के पुलिस लाइंस क्षेत्र में एक मस्जिद में हुए घातक आतंकी हमले के कुछ दिन बाद पंजाब प्रांत के गृह विभाग ने यह निर्देश जारी किया है।

हालांकि, पंजाब सरकार ने स्पष्ट किया है कि वह प्रांत में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) और सरकार से संबंधित अन्य परियोजनाओं में काम कर रहे चीनी नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करना जारी रखेगी। हम आपको बता दें कि हाल के दिनों में पाकिस्तान में ऐसी कई घटनाएं हुई हैं, जिनमें सरकारी और निजी दोनों परियोजनाओं के लिए देश में रह रहे चीनी नागरिकों को निशाना बनाया गया है। इसलिए चीन पाकिस्तान के अशांत क्षेत्रों में काम करने वाले अपने नागरिकों को पुख्ता सुरक्षा प्रदान करने के लिए पाकिस्तान पर दबाव डालता रहा है।

उधर, पाकिस्तान के आर्थिक हालात की बात करें तो आपको बता दें कि गंभीर नकदी

संकट से जूझ रहे पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार 16.1 प्रतिशत की तीव्र गिरावट के साथ 10 साल के निचले स्तर पर लुढ़क गया है। पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) ने कहा है कि इस समय देश में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 8.74 अरब डॉलर है। आर्थिक मामलों के जानकारों का कहना है कि यह विदेशी मुद्रा पाकिस्तान की सिर्फ तीन हफ्तों की आयात जरूरतों को ही पूरा कर सकता है। इस बीच, पाकिस्तान में महंगाई सुरसा के मुंह की तरह बढ़ती जा रही है, जिससे आम लोगों का जीवन मुश्किल हो गया है। खासकर पेट्रोलियम पदार्थों की महंगाई के चलते बसों और अन्य वाहनों के पहिये थम गये हैं।

ऑस्ट्रेलिया जीत सकता है सीरीज, इस बार भारतीय टीम कमजोर लग रही है : पूर्व महान बल्लेबाज

–ग्रेग चैपल ने मना, पंत और बुमराह के बिना भारतीय टीम कमजोर लग रही

मेलबर्न (एजेंसी)। पूर्व महान बल्लेबाज ग्रेग चैपल का मानना है कि आस्ट्रेलिया चार मैचों की आगामी टेस्ट सीरीज जीत सकता है क्योंकि ऋषभ पंत और जसप्रीत बुमराह जैसे प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण भारतीय टीम कमजोर लग रही है। पंत सड़क दुर्घटना में चोटिल होने के बाद से लगभग पूरे साल नहीं खेल सकेंगे जबकि कमर की चोट से जूझ रहे बुमराह पहले दो टेस्ट से बाहर है। चैपल ने 'सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड' में लिखा ,'आस्ट्रेलिया सीरीज जीत सकता है। ऋषभ पंत, रविंद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह जैसे प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण भारतीय टीम कमजोर लग रही है। विराट कोहली पर बहुत अधिक दारोमदार होगा।'

हरफनमौला रविंद्र जडेजा ने घुटने की चोट से उबरने के बाद रणजी ट्रॉफी के जरिये वापसी की और वह बृहस्पतिवार से नागपुर में शुरू हो रहे पहले टेस्ट के लिये टीम में हैं। चैपल ने कहा कि टर्निंग विकेटों पर नाथन लियोन की जगह एश्टोन एगर को तरजीह दी जानी चाहिये। उन्होंने कहा ,'' स्पिनरों की मददगार पिच होने पर एश्टोन एगर को चुना जाना चाहिये क्योंकि ऊंगली की स्पिन अधिक सटीक होती है। अनिल कुंबले ने टेस्ट क्रिकेट में 619 विकेट लिये और वह तेज, सपाट लेग ब्रेक डालता था। बल्लेबाजों को पता होता था कि चूकने पर उनका विकेट गिर सकता है। एगर को भी यही करना होगा।' उन्होंने यह भी कहा कि आस्ट्रेलिया को कई पहलुओं पर काम करना होगा।

उन्होंने कहा ,'' डेविड वॉर्नर फॉर्म में नहीं है और भारत में उन्हें अपना टेस्ट रिकॉर्ड बेहतर करना होगा। उस्मान ख्वाजा, एलेक्स कारी, ट्रेविस हेड और कैमरन ग्रीन को शानदार स्पिनरों के सामने खुद को परखना होगा। मार्नस लाबुशेन अपने कैरियर का पहला बड़ा टेस्ट देंगे।' चैपल ने कहा ,'आस्ट्रेलिया को अपनी प्रतिभा और हुनर का पूरा निचोड़ लगाना होगा। भारत में जीतना अब उतना मुश्किल नहीं है। अब नियमित दौरे हो रहे हैं और आईपीएल से काफी अनुभव मिल ही गया है।'

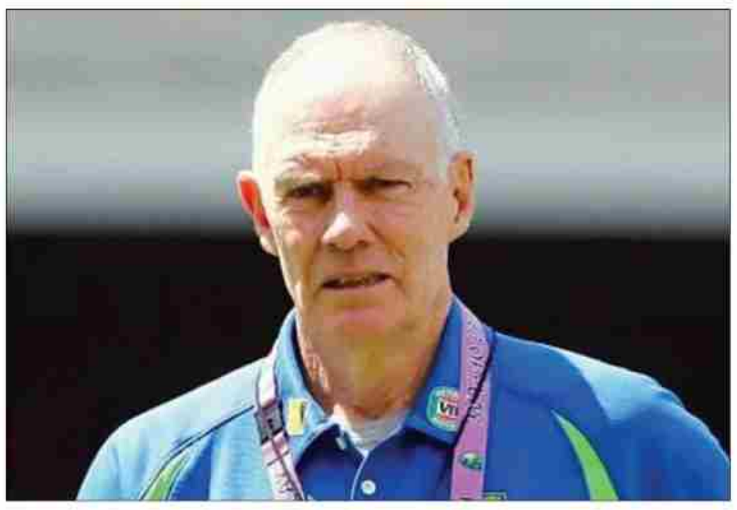

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट नागपुर में

– भारतीय स्पिनरों से निपटने के लिए हो रही खास तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट नागपुर में खेला जाएगा। मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम ने अपनी तैयारी शुरू कर दी। पैट कमिंस की ऑस्ट्रेलियाई टीम ने बेंगलुरु में डेरा डाला हुआ है और भारतीय स्पिन गेंदबाजों से निपटने के लिए खास तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए उन्होंने आर अश्विन का सहारा लिया है। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया टीम की जो मदद कर रहे हैं, वो अश्विन के डुप्लीकेट हैं। इस गेंदबाज का नाम महेश पिथिया है। जो बड़ौदा की तरफ से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। महेश पिथिया ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को इसलिए प्रैक्टिस करा रहे। क्योंकि वो भी अश्विन की तरह ऑफ स्पिनर हैं और उनका एक्शन काफी हद तक अश्विन जैसा ही है। इसी वजह से उन्हें अश्विन का डुप्लीकेट कहा जाता है। वो भी अश्विन की तरह बाएं हाथ के बल्लेबाजों को काफी परेशान करते हैं। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि महेश ने 11 साल की उम्र तक तो अश्विन को गेंदबाजी करते नहीं देखा था। क्योंकि उनके घर में टीवी ही नहीं था। महेश ने पहली बार 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ आर अश्विन को गेंदबाजी करते देखा था। वही समय था जब उन्होंने आर अश्विन को अपना आयडल मान लिया था और उसके बाद से इस दिग्गज ऑफ स्पिनर को फॉलो करना शुरू किया। पिछले साल दिसंबर में महेश ने बड़ौदा की तरफ से फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू किया था।ऑस्ट्रेलिया के लिए बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज में सबसे बड़ा खतरा आर अश्विन ही होंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम को जैसे ही अश्विन के डुप्लीकेट के बारे में पता चला। उन्होंने फौरन उसे ट्रेनिंग के लिए बुला लिया। पिथिया का नाम ऑस्ट्रेलिया के असिस्टेंट कोच आंद्रे बोरेवेच के सामने रखने वाले प्रीतेश जोशी थे, जो खुद ऑस्ट्रेलिया की ट्रेनिंग कैंप का हिस्सा हैं। महेश ट्रेनिंग में ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के बल्लेबाजों को खासतौर पर ट्रेनिंग करा रहे। क्योंकि ऑस्ट्रेलिया टीम में डेविड वॉर्नर, मैट रेनेशॉ, ट्रेविस हेड और उस्मान ख्वाजा जैसे बाएं हाथ के बैटर हैं और अश्विन इन बल्लेबाजों के लिए परेशानी बन सकते हैं। इसलिए अलूर में खासतौर पर तैयार किए गए टर्निंग ट्रैक पर महेश पिथिया इन बल्लेबाजों को तैयारी करा रहे। उन्होंने बिना थके घंटों नेट्स पर गेंदबाजी की।दो हफ्ते पहले नागपुर के विदर्भ क्रिकेट स्टेडियम में रणजी ट्रॉफी का एक मैच खेला गया था। इसमें गुजरात की टीम 72 रन का पीछा करते हुए 54 रन पर आउट हो गई थी। 9 विकेट बाएं हाथ के स्पिनर ने लिए थे। भारत के पास भी रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव के रूप में बाएं हाथ के स्पिनर हैं। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट यहीं खेला जाना है। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई खेमा भारत के स्पिन गेंदबाजों को लेकर डरा हुआ है। इसलिए अश्विन नहीं तो उनके डुप्लीकेट से ही जीत की रणनीति तैयार करने में जुट गए। बता दें कि भारत-आस्ट्रेलिया के बीच 4 टेस्ट की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 9 फरवरी से शुरू होगी। इस बार ऑस्ट्रेलिया ने टूर मैच न खेलने का फैसला करते हुए सिर्फ ट्रेनिंग पर फोकस करने का काम किया है।

स्मिथ भारत के लिए चुनौती, लेकिन अक्षर इस चुनौती से निपट सकते : इरफान

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 4 टेस्ट मैचों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीतना काफी महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि इस सीरीज में जीत के साथ भारत के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का राह आसान होगी। नौ फरवरी से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज में भारत के सामने सबसे बड़ा खतरा ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ के रूप में होगा। स्मिथ ने भारत में 14 टेस्ट मैचों में 1742 रन बनाए हैं, इतना ही नहीं भारत में उनका टेस्ट औसत 72.58 का है। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान ने कहा है कि स्मिथ भारत को चुनौती दे सकते हैं, लेकिन उनका मानना है कि भारतीय स्पिनर अक्षर पटेल स्मिथ के लिए परेशानी पैदा कर सकते हैं। इरफान ने कहा कि भारत को स्मिथ के खिलाफ एक उचित योजना बनाने की आवश्यकता है।

इरफान ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि स्मिथ निश्चित रूप से एक ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज हैं। यदि आप ऑस्ट्रेलियाई इतिहास को भी गौर करे तब वह उस मुकाम पर हैं। उन्होंने भारतीय गेंदबाजों को बहुत परेशान किया है, उन्होंने शतक जड़े हैं। भले ही उनके पास ठोस बॉटम हैंड से शॉट खेलने की कला है, लेकिन फिर भी वह विकट के सामने, ऑफ और लेग साइड पर रन बनाने के तरीके ढूंढते हैं। हमें स्मिथ के सामने एक उचित योजना बनाने की आवश्यकता है। इरफान ने कहा, स्टीव स्मिथ की चुनौती भारतीय टीम के लिए होगी, लेकिन मुझे लगता है कि एक व्यक्ति, जो मुझे बहुत अच्छा लग रहा है और जो वास्तव में स्मिथ के खिलाफ खतरा बन सकता है, वह अक्षर पटेल है। इरफान ने कहा कि अगर अक्षर लगातार स्टंप पर गेंदबाजी करते हैं, तब स्मिथ को परेशानी हो सकती है, क्योंकि स्मिथ निचले हाथ का काफी इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा,वह जिस लाइन और लेंथ में गेंदबाजी करते हैं, जिस सीधी गेंद से वह गेंदबाजी करते हैं, वह स्मिथ को एलबीडब्ल्यू या बोल्ड कर सकते हैं। खासकर, इसलिए क्योंकि स्मिथ अपने निचले हाथ का बहुत उपयोग करते हैं।

दुनिया के किसी भी गेंदबाज से नहीं डरते बटलर, बुमराह के सामने हो जाती है सिट्टी-पिट्टी गुम

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मौजूदा कप्तान जोस बटलर मौजूदा समय में किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं. उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी की पूरी दुनिया दीवानी है. उन्होंने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे वनडे मुकाबले में जबर्दस्त बल्लेबाजी करते हुए शतक जड़ा था. यहां उन्होंने पांचवें क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए कुल 127 गेंदों का सामना किया. इस बीच 103.15 की स्ट्राइक रेट से 131 रन की उम्दा शतकीय पारी खेली.

इस दौरान उनके बल्ले से छह चौके एवं सात बेहतरीन छक्के निकले. बटलर और मलान के इस उम्दा पारी के बदौलत इंग्लिश टीम को तीसरे वनडे मुकाबले में 59 रन से बड़ी जीत मिली. जोस बटलर ने कुछ खास पहलुओं पर बात की. उन्होंने बताया कि उन्हें दुनिया के किस गेंदबाज के सामने बल्लेबाजी करने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है. यह कोई और नहीं भारत के ही तेजतर्रार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं. बटलर के मुताबिक बुमराह दुनिया के सबसे खतरनाक गेंदबाज हैं.

दरअसल, बटलर से जब पूछा गया कि अपने क्रिकेट करियर में अबतक किस सबसे तेज गेंदबाज का सामना किया है, तो उन्होंने जवाब देते हुए जसप्रीत बुमराह का नाम लिया. बता दें टी20 प्रारूप में बुमराह ने बटलर को चार बार अपना शिकार बनाया है. बटलर का बल्ला मौजूदा समय में जमकर चल रहा है. अफ्रीका के खिलाफ तीसरे वनडे में निकली 131 रन की पारी उनके वनडे करियर की 11वीं शतकीय पारी रही. वनडे प्रारूप में बटलर पांचवें क्रम पर या उससे नीचे आकर सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज हैं. उन्होंने इस क्रम पर कुल आठ शतक लगाए हैं. बटलर के बाद धोनी और युवराज सिंह का नाम आता है. इन दोनों बल्लेबाजों ने पांचवें या उससे निचले क्रम पर आकर क्रमशः सात-सात शतक लगाए हैं. इसके बाद एबी डिविलियर्स, इयोन मॉर्गन और सायमंड्स जैसे दिग्गज आते हैं. इन बल्लेबाजों ने अपने वनडे करियर में नंबर पांच या उससे नीचे आकर क्रमशः छह-छह शतक लगाए हैं.

आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप में 12 फरवरी को पाकिस्तान से भिड़ेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली । भारत और पाकिस्तान की टीमों का मुकाबला आईसीसी टूर्नामेंट में ही देखने को मिलता है। हर किसी को इन दोनों देशों के बीच होने वाली टक्कर का इंतजार रहता है। पिछले साल आईसीसी टी20 विश्व कप में भारत और पाकिस्तान की पुरुष टीमों का मुकाबला हुआ और अब नए साल में महिला टीमों के बीच इसी फॉर्मेट के विश्व कप में मुकाबला होने जा रहा है। साउथ अफ्रीका में आईसीसी टी20 विश्व कप का आठवां एडिशन होने जा रहा है। टूर्नामेंट में भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान के खिलाफ ही करने जा रहा है। पिछली बार की उप विजेता टीम इंडिया हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में एक बार फिर से खिताब जीतने की दावेदार है। 10 फरवरी से 26 फरवरी के बीच खेले जाने वाले टूर्नामेंट में 10 टीमों भाग ले रही हैं। भारत को ग्रुप बी में इंग्लैंड, आयरलैंड, पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के साथ रखा गया है। आईसीसी टी20 विश्व कप में टीम इंडिया पहला मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ 12 फरवरी को खेलने उतरेगी। इसके बाद 15 फरवरी को भारत का सामना वेस्टइंडीज की टीम के साथ होगा। 18 फरवरी को भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ मैच खेलने उतरेगी।

मैं 2026 फीफा विश्व कप में खेलने पर विचार कर रहा हूं, लेकिन ये कई बातों पर निर्भर करेगा : लियोनेल मेसी

ब्यूनस आयर्स । अर्जेंटीना फुटबाल टीम के कप्तान लियोनेल मेसी ने कहा है कि वह 2026 फीफा विश्व कप में खेलने पर विचार कर रहे है, लेकिन उनकी भागीदारी कई बातों पर निर्भर होगी। इसके पहले मेसी ने कतर में 2022 विश्व कप फुटबॉल के बाद संन्यास की घोषणा की थी। विश्व कप में मेसी ने सात गोल किए और टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता। मेसी अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में टूर्नामेंट के दौरान 39 साल के हो जाएंगे। 35 वर्षीय मेसी ने बताया कि मुझे नहीं पता, मैंने हमेशा कहा है कि उम्र के कारण मुझे लगता है कि 2026 टिके रहना मुश्किल होगा। मुझे फुटबॉल खेलना पसंद है और जब तक फिट महसूस करता हूं और इसका आनंद लेना जारी रखूंगा। लेकिन अगले विश्व कप तक बहुत कुछ कई चीजों पर निर्भर करेगा।अर्जेंटीना के मैनेजर लियोनेल स्कालोनी ने पिछले साल दिसंबर में कहा था कि वह मेसी के लिए नंबर 10 की टीशर्ट तब तक रखूंगा, जब तक वह खेलना चाहते हैं। इस बीच, मेसी ने कहा कि 18 दिसंबर, 2022 को लुसैल में विश्व कप फाइनल में फांस पर अर्जेंटीना की पेनल्टी शूटआउट जीत के बाद भी वह भावनात्मक रुप से उच्च स्तर पर था। मेसी ने कहा कि मेरे करियर के अंत में इस हासिल करना आश्चर्यजनक था। उन्होंने कहा कि मेरा करियर लगभग समाप्त हो चुका है और मुझे नहीं लगता कि इससे बेहतर कुछ हो सकता है।

बीबीएल: पर्थ स्कॉचर्स बनी चैंपियन, फाइनल में ब्रिस्बेन हीट को चटाई धूल

स्पोर्ट्स डैस्क (एजेंसी)। बिग बैश लीग (बीबीएल) के 12वें संस्करण के फाइनल मुकाबले में पर्थ स्कॉचर्स ने ब्रिस्बेन हीट को 5 विकेट से हराकर बीबीएल का खिताब अपने नाम कर लिया है। ब्रिस्बेन हीट ने फाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए 176 रनों का लक्ष्य रखा, जिसके जवाब में पर्थ स्कॉचर्स ने 20वें ओवर की दूसरी गेंद में लक्ष्य हासिल कर लिया। पर्थ स्कॉचर्स ने पांचवी बार बीबीएल का खिताब अपने नाम किया है।

मैच में ब्रिस्बेन टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। ब्रिस्बेन की ओर से कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया। ब्रिस्बेन की ओर से सबसे बड़ी पारी नाथन मैकस्वीनी के रूप में आई, उन्होंने 37 गेंदों पर 41 रनों की पारी खेली। सलामी बल्लेबाज जोश ब्राउन 12 गेंदों में 25 रन और सैम हेजलेट 30 गेंदों में 34 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद नाथन मैकस्वीनी ने टीम को संभाला, हालांकि वह भी ज्यादा देर तक टिक नहीं पाए। इसके बाद निचले क्रम के बल्लेबाज मैक्स ब्रायंट ने 14 गेंदों में 31 रन और सैम हेन ने 16 गेंदों में 21 नाबाद रनों की पारी खेली और ब्रिस्बेन टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 175 रन बनाए। पर्थ स्कॉचर्स की ओर से जेसन बेहरेनडॉर्फ और मैथ्यू कैली ने 2-2 विकेट चटकाए, जबकि डेविड पेन, ऐरोन हार्डी और एंड्रयू टाए तीनों गेंदबाजों ने 1-1 विकेट हासिल की।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी पर्थ स्कॉचर्स की ओर से एशटन टर्नर ने 32 गेंदों 53 रनों की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली। सलामी बल्लेबाज स्टीफन एस्किनाजी (21 रन) और कैमरोन बेनक्रॉफ्ट (15 रन) सस्ते में ही चलते बने। इसके बाद ऐरोन हार्डल (17 रन) और जोश इंग्लिस (26) कुछ खास नहीं कर पाए। पांचवे नंबर पर आए टर्नर ने पर्थ की पारी को संभाला। उनके आउट होने के बाद निक होबसन ने 7 गेंदों में नाबाद 18 रन और कूपर कोनोली ने 11 गेंदों में 25 नाबाद रनों की तूफानी पारी खेली , जिसके चलते पर्थ टीम ने 20वें ओवर की दूसरी गेंद में लक्ष्य हासिल कर लिया।

टी20 फॉर्मेट में 500 मैच खेलने वाले पाकिस्तान के पहले व दुनिया के तीसरे क्रिकेटर बने शोएब मलिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। 41 साल की उम्र में शोएब मलिक ने अहम उपलब्धि हासिल की है। टी20 फॉर्मेट में 500 मैच खेलने वाले पाकिस्?तान के पहले और दुनिया के तीसरे क्रिकेटर बन गए हैं। शोएब मलिक ने यह रिकॉर्ड शुक्रवार को बांग्?लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल 2023) में रंगपुर राइडर्स की ओर से खेलते हुए बनाया। वेस्?टइंडीज के कीरेन पोलार्ड (614 मैच) और ड्वेन ब्रावो (556 मैच) ही इस मामले में उनसे आगे हैं।

बीपीएल में शुक्रवार को ढाका डोमिनेटर्स और रंगपुर राइडर्स के बीच मैच खेला गया। मुकाबला शुरू होने से पहले रंगपुर राइडर्स के खिलाड़ियों की ओर से शोएब मलिक की इस उपलब्धि पर उन्?हें 'गॉर्ड ऑफ ऑनर' मिला। मैच में शोएब सिर्फ 7 रन ही बना सके पर उनकी टीम 2 विकेट से जीत दर्ज करने में कामयाब रही। मलिक ने अपने टी20 करियर के 500 मैचों में 127 के स्ट्राइक रेट से 12287 रन बनाए हैं।

चंद रोज पहले ही इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने भविष्य को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में पाकिस्तान के ऑलराउंडर ने कहा था कि मैं अभी क्रिकेट खेलता रहूंगा। शोएब ने कहा, मैं टीम का सबसे सीनियर खिलाड़ी हो सकता हूं, पर आप मेरी फिटनेस की तुलना 25 साल के खिलाड़ी से कर सकते हैं। मुझे अभी भी लगता है कि मेरे अंदर क्रिकेट खेलने की भूख है। इसलिए रिटायरमेंट के बारे में न सोचते हुए मैं क्रिकेट खेलना जारी रखूंगा।

शोएब मलिक की वाइफ और टेनिस स्टार सानिया मिर्जा कोर्ट को अलविदा कह चुकी हैं। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2023 उनका आखिरी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट था। सानिया और रोहन बोपन्ना की जोड़ी टूर्नामेंट के मिक्सड डबल्स के फाइनल में पहुंची थी, जहां उसे हार का सामना करना पड़ा। सानिया जब रनर अप ट्रॉफी लेने पहुंची तो वह इमोशनल हो गईं और उनका गला रुंध गया। अपने टेनिस के सफर को याद करते हुए सानिया की आंखों में आंसू आ गए थे।

खेलो इंडिया विंटर गेम्स के लिए लांच किया गया थीम सॉन्ग, गुलमर्ग में 10 से 14 फरवरी तक होगा आयोजन

नई दिल्ली । जम्मू एवं कश्मीर के गुलमर्ग में खेलो इंडिया विंटर का आयोजन 10 से 14 फरवरी के बीच किया जाएगा। विंटर गेम्स के आयोजन से पहले केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और उप राज्यपाल (एलजी) मनोज सिन्हा ने खास कार्यक्रम में इसका थीम सॉन्ग, शुभंकर आदि लॉन्च किया। खेलो इंडिया विंटर गेम्स के तीसरे संस्करण के लिए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने इसके थीम सॉन्ग, शुभंकर को लॉन्च किया है। शनिवार को जम्मू के उपराज्यपाल भवन में आयोजित कार्यक्रम में जर्सी भी जारी की गई है। इस वर्ष विंटर गेम्स का आयोजन 10 से 14 फरवरी तक किया जाएगा। इस दौरान सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि अमृत काल के पहले बजट में विकसित भारत के संपूर्ण संकल्प की नींव रखी है। इस बजट में गरीबों, महिलाओं, मजदूरों, मध्यम वर्ग, युवाओं, किसानों, एससी, एसटी, ओबीसी वर्ग के लोगों के लिए कुछ ना कुछ जरुर है। गुलमर्ग में होने वाले खेलों में देश भर के लगभग 1500 एथलीट हिस्सा लेंगे और 9 खेल आयोजनों में खेले जाएंगे। इसमें ओपन आइस हॉकी चैंपियनशिप, फिगर स्केटिंग और स्पीड स्केटिंग जैसे खेल शामिल है। खेलो इंडिया विंटर गेम्स का पहला संस्करण 2020 में हुआ था और मेजबान जम्मू और कश्मीर अब तक खेलों के दोनों संस्करणों में शीर्ष पर रहे हैं। बता दें कि खेलो इंडिया शीतकालीन खेल युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा समर्थित है और इसका आयोजन जम्मू एवं कश्मीर खेल परिषद के साथ-साथ जम्मू एवं कश्मीर के विंटर गेम्स एसोसिएशन द्वारा किया जाता है।

दिग्गज रेसलर द रॉक पर टूटा दुखों का पहाड़

–रेसलर की मां सड़क हादसे का हो गई शिकार

नई दिल्ली । दिग्गज रेसलर द रॉक पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। रेसलर की मां सड़का हादसे का शिकार हो गई हैं। द रॉक के नाम से मशहूर ड्वेन डगलस जॉनसन ने स्वयं इसकी जानकारी अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल के माध्यम से फैन्स को दी। रेसलर ने बताया कि हादसे के उनकी मां अता जॉनसन बाल-बाल बच गई हैं। उनकी कार एक शराबी ड्राइवर की कार से आमने-सामने से टकरा गई। द रॉक ने बताया कि यह शराबी ड्राइवर दरअसल आत्महत्या का प्रयास कर रहा था। जिसके चलते वो गलत लेन में आ गया और उसकी कार मां की कार से आमने-सामने से टकरा गई। द रॉक ने बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी कार की तस्वीर भी फैन्स के साथ शेयर की। उन्होंने अपने सोशल मीडिया संदेश में लिखा, भगवान आपका शुक्रिया, मां ठीक हैं। बीती रात मेरी मां पर भगवान ने दया दिखाई। उनकी कार का एक्सीडेंट हो गया। एक शराबी ड्राइवर ने आत्महत्या का प्रयास किया। मां इस हादसे में बच गई हैं। द रॉक ने बताया कि मेरी मां ने लंग कैंसर (फेफड़ों का कैंसर) से लड़ी। उनकी शादीशुदा जिंदगी भी काफी चुनौतियों से भरी रही। एक पागल ड्राइवर द्वारा आमने-सामने की टक्कर से बचाकर भगवान ने चमत्कार किया है। मेरे पास एक ही पेरंट (अभिभावक) है। एलएपीडी एंडएलएएफडी को भी धन्यवाद जिन्होंने इतना ध्यान दिया। फोन पर ये लगातार थे और मुझे जानकारी दी। रिंग में द रॉक को देखे फैन्स को एक अरसा बीत गया है। माना जा रहा है कि वरेस्टमेनिया 39 में वो एक बार फिर रिंग में नजर आ सकते हैं। मां के साथ हुए इस हादसे के बाद अब एक बार फिर यह चर्चाएं गर्म हो गई हैं कि वो इस मुकाबले से पीछे हट सकते हैं। द रॉक की मां के साथ हुए इस हादसे के बाद फैन्स भी सदमे में हैं।

मैं कभी कुछ ऐसा नहीं करुंगी जिससे देश और मेरा नाम खराब हो : दीपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोप टेस्ट में नाकाम रहने के कारण 21 महीने का प्रतिबंध झेल रही भारतीय जिम्नास्टिक स्टार दीपा कर्माकर ने कहा कि मामला बिना किसी परेशानी के निपटाने के लिए उन्होंने अस्थायी निलंबन स्वीकार किया था। कर्माकर ने कहा कि उन्होंने अनजाने में प्रतिबंधित पदार्थ हिजेनामाइन (एस3 बीटा2) का सेवन किया जो विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी की प्रतिबंधित सूची में है।

कर्माकर ने ट्वीट किया, मैंने अनजाने में उसे लिया और मुझे पता नहीं कि उसका स्रोत क्या था। मैंने अंतरराष्ट्रीय महासंघ के साथ मामला बिना किसी परेशानी के निपटाने के लिए अस्थायी निलंबन स्वीकार कर लिया। कर्माकर का प्रतिबंध इस साल दस जुलाई को खत्म होगा क्योंकि उसके नमूने 11 अक्टूबर 2021 को लिए गए थे। रियो ओलंपिक 2016 में वॉल्ट में चौथे स्थान पर रही कर्माकर 2017 में सर्जरी के बाद से चोटों से जूझ रही है। उनका आखिरी टूर्नामेंट बाकू में 2019 विश्व कप था। कर्माकर ने कहा कि डोपिंग मामला उसके जीवन की सबसे कठिन जंग थी।

उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि वह मेरे शरीर में कैसे आया। यह मेरे जीवन की सबसे कठिन मानसिक लड़ाई थी। ऐसी लड़ाई जो किसी को भी तोड़ सकती है। उन्होंने कहा ,'' मैंने 2017 और 2019 में सर्जरी कराई और मैदान पर लौटने के बाद फिर एक और झटका लगा। मैं अब मजबूती से वापसी कराना चाहती हूं। कर्माकर ने खुशी जताकर कहा कि मामला सहमति से सुलझ गया है और अब वह जुलाई में वापसी करेगी। उन्होंने कहा, मैंने अपने कैरियर में कभी भी प्रतिबंधित दवा के सेवन के बारे में सोचा भी नहीं। मैं कभी ऐसा कुछ नहीं करुंगी जिससे मेरा या देश का नाम खराब हो।

सऊदी इंटरनेशनल गोल्फ में शुभांकर शर्मा शीर्ष भारतीय

काएक। शुभांकर शर्मा 50 लाख डॉलर ईनामी राशि के सऊदी अंतरराष्ट्रीय गोल्फ टूर्नामेंट के कट में प्रवेश करने में कामयाब रहे। शर्मा के अलावा भारत के शिव कपूर, राशिद खान और अनिर्बान लाहिड़ी ने भी 36 होल के कट में जगह बना ली। अजितेष संधू, गगनजीत भुल्लर और वीर अहलावत हालांकि चूक गए। कैमरन स्मिथ जैसे बड़े खिलाड़ी भी कट में प्रवेश नहीं कर पाये। मैक्सिको के अब्राहम एंसेर चार अंडर पार 66 के स्कोर के साथ बढत बनाये हुए हैं।

आतंकवाद व नक्सलवाद का कारण कांग्रेस : अरुण सिंह

मिर्जापुर, 05 फरवरी (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व सांसद अरुण सिंह ने कांग्रेस को आतंकवाद व नक्सलवादी समस्या का कारण बताते हुए कहा कि राहुल गांधी कोई ज्ञानी नहीं हैं। उन्होंने देश की सांस्कृतिक गरिमा को गिराने और सेना का मनोबल तोड़ने का काम किया है। मिर्जापुर के बरौंधा कचार स्थित भाजपा के जिला कार्यालय में रविवार को वो मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

अरुण सिंह ने भारत जोड़ो यात्रा को भारत तोड़ो यात्रा करार देते हुए कहा कि यह दिशा हीन यात्रा थी। इसे कांग्रेस छोड़ो यात्रा कहा जाना चाहिए। भारत सदैव से एक रहा है। बजट को सभी वर्गों के हित में बताते हुए बेहतरीन और किसानों का बजट बताया। उन्होंने कहा कि हिंडेनबर्ग को तो अमेरिका में काली सूची में डाल रखा है। उसकी रिपोर्ट पर यहां बवाल हो रहा है।

देश की आर्थिक संस्थाएं सतर्क हैं और किसी को नुकसान नहीं होगा। जलजीवन मिशन योजना, विंध्य कारिडोर, मेडिकल कालेज व अन्य उपलब्धियों की चर्चा की। इस अवसर पर नगर विधायक रत्नाकर मिश्र, एमएलसी श्यामनारायण सिंह, विनीत सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह व मड़िहान विधायक रमाशंकर सिंह पटेल उपस्थित रहे।

भारत के युवाओं के लिए कुछ भी असंभव नहीं है, हर लक्ष्य आसान हो जाता है : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत के युवाओं के लिए कुछ भी असंभव नहीं है और हर लक्ष्य तब आसान हो जाता है जब उन्हें सामर्थ्य, स्वाभिमान, स्वावलंबन, सुविधाओं और संसाधनों की ताकत का अहसास होता है। मोदी ने कहा कि मैं जानता हूं युवा भारत की युवा पीढ़ी के लिये कुछ भी असंभव नहीं है। युवाओं को जब सामर्थ्य,स्वाभिमान, स्वावलंबन, सुविधा और संसाधन की शक्ति मिलती है तो हर लक्ष्य आसान हो जाता है। उन्होंने कहा कि आज का युवा अपनी बहु-प्रतिभाशाली और बहु-आयामी क्षमताओं के कारण सिर्फ एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहना चाहता है।

उन्होंने कहा, देश के इस रवैये की झलक इस बार के बजट में भी दिखाई दे रही है। इस बार देश के बजट में खेल विभाग को करीब 2500 करोड़ का बजट मिला है जबकि 2014 से पहले खेल विभाग का बजट 800-850 करोड़ रुपये के आसपास ही रह जाता था। उन्होंने कहा 2014 के मुकाबले देश के खेल विभाग के बजट में लगभग तीन गुना बढोत्तरी हुई है। इस बार अकेले खेलो इंडिया अभियान के लिये ही एक हजार करोड़ रुपये से ज्यादा बजट दिया है। मोदी रविवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से 'जयपुर महाखेल' के प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे।

जयपुर ग्रामीण से लोकसभा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ द्वारा 'जयपुर महाखेल' (मेगा स्पोर्ट) का आयोजन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'हम युवाओं को खेलों में अपना करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। टॉप्स (टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम) जैसी पहल युवाओं को प्रमुख खेल आयोजनों की तैयारी में लाभान्वित कर रही है। देश का खेल बजट 2014 से लगभग तीन गुना बढ़ गया है।' उन्होंने कहा, पहले देश के युवाओं में खेल का जज्बा तो होता था.. प्रतिभा भी होती थी.. लेकिन अक्सर संसाधन और सरकारी सहयोग की कमी हर बार आड़े आ जाती थी.. अब हमारे खिलाडियों की इस चुनौती का भी समाधान किया जा रहा है।

उन्होंने जयपुर महाखेल का उदाहरण देते हुए कहा कि जयपुर मे यह आयोजन बीते पांच-छह वर्षो से चल रहा है ऐसे ही देश के कोने कोने में भाजपा के सांसद अपने अपने क्षेत्रों में खेल महाकुंभों का आयोजन करवा रहे है। इन आंकड़ों खेल महाकुंभ में हजारों युवा.. हजारों प्रतिभावान खिलाड़ी अलग अलग खेलों में भाग ले रहे है। उन्होंने कहा, सांसद खेल महाकुंभ की वजह से देश की हजारो नई प्रतिभाएं उभर कर सामने आ रही है। यह सब इसलिये मुमकिन हो पा रहा है क्योंकि केन्द्र सरकार अब जिला स्तर और स्थानीय स्तर तक खेल सुविधायें बना रही है।

उन्होंने कहा, आज देश में खेल प्रतिस्पर्धाओं और खेल महाकुंभ का जो सिलसिला शुरू हुआ है वो एक बड़े बदलाव का प्रतिबिंब है। राजस्थान की धरती तो अपने युवाओं के जोश और सामर्थ्य के लिये ही जानी जाती है। प्रधानमंत्री ने कहा, इतिहास गवाह है कि इस वीर धरा की संतान ने रणभूमि को भी अपने शौर्य से खेल का मैदान बना दिया। इसलिये अतीत से लेकर आज तक जब भी देश की रक्षा की बात आती है तो राजस्थान के युवा कभी किसी के पीछे नहीं होते। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा, आप सब जयपुर के खेल मैदान में केवल खेलने के लिये नहीं उतरे।

आप जीतने के लिये भी उतरे और सीखने के लिये भी उतरे और जहां सीख होती है वहां जीत अपने आप सुनिश्चित हो जाती है। उन्होंने कहा, खेल के मैदान से कभी कोई खिलाडी खाली हाथ नहीं लौटता। प्रधानमंत्री ने कहा कि राजस्थान में भी केन्द्र सरकार द्वारा अनेक शहरों में खेलों के ढांचे का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा, आज देश में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी भी बन रही है और खेल महाकुंभ जैसे बड़े आयोजन भी पेशेवर तरीके से हो रहे है। उन्होंने कहा, हमारा प्रयास है कि स्पोर्ट्स मैनेजमेंट' और 'स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी' से जुड़ी हर विद्या को सीखने का माहौल बने जिससे युवाओं को इस क्षेत्र में करियर बनाने का अवसर मिले।

पैसे की कमी के कारण कोई युवा पीछे ना रह जाये इस पर भी हमारी सरकार का ध्यान है। उन्होंने कहा, बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों को केन्द्र सरकार अब सालाना पांच लाख रुपये तक की मदद करती है। प्रमुख खेल पुरस्कारों में दी जाने वाली राशि भी तीन गुना तक बढा दी गई है। दैनिक जीवन में भी फिटनेस के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि फिटनेस केवल खेल के क्षेत्र में ही नहीं बल्कि दैनिक जीवन में भी आवश्यक है और खिलाड़ी के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण चीज है। उन्होंने कहा, आप फिट रहेंगे, तभी सुपरहिट होंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जो खेल से संबंधित चीजें और संसाधन बनाने वाले एमएसएमई के माध्यम से रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा, खेल सिर्फ एक शैली नहीं है, बल्कि एक उद्योग है। उन्होंने कहा, जहां प्रयास पूरे मन से होते है वहां परिणाम भी सुनिश्चित होते हैं। देश ने प्रयास किये, परिणाम हमने टोक्यो ओलंपिक में देखा, राष्ट्रमंडल खेलों में देखा। जयपुर महाखेल में भी आप सब के प्रयास भविष्य में ऐसे ही शानदार परिणाम देंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा आपसे ही

देश के लिए अगले स्वर्ण और रजत पदक निकलने वाले है।

आप अगर ठान लेंगे तो ओलंपिक तक तिरंगे की शान बढ़ाएंगे.. आप जिस क्षेत्र में जाएंगे वहां देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा मुझे विश्वास है हमारे युवा देश की कामयाबी को बहुत आगे तक लेकर जायेंगे। इस वर्ष कबड्डी पर केंद्रित यह आयोजन राष्ट्रीय युवा दिवस पर 12 जनवरी को शुरू हुआ। इसमें जयपुर ग्रामीण के सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों के 450 से अधिक ग्राम पंचायतों, नगर पालिकाओं और वार्ड के 6,400 से अधिक युवाओं और खिलाड़ियों की भागीदारी देखी गई।

भिंड से सीएम शिवराज सिंह ने शुरु की विकास यात्रा, 397 करोड़ रुपये की 121 योजनाओं का लोकार्पण

भोपाल, 05 फरवरी (एजेन्सी)। मध्य प्रदेश के मुखिया सीएम शिवराज सिंह चौहान रविवार को विकास यात्रा मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के संभाग स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होने भिंड पहुंचे। इस दौरान उन्होंने यहां करीब 397 करोड़ की 121 योजनाओं का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया। वहीं, उन्होंने आने वाले समय में दो अहम योजनाओं की घोषणा भी की। इसके अलावा भिंड को सौग़ात देते हुए मुख्यमंत्री ने मंच से जिले में मेडिकल कॉलेज स्वीकृत करने के साथ ही लंबे समय से चली आ रही नगर निगम बनाए जाने की मांग को भी स्वीकार कर लिया।

मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के अंतर्गत भिंड जिला मुख्यालय पर एमजेएस ग्राउंड में चंबल संभाग का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेश के मुखिया सीएम शिवराज सिंह चौहान ने शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत कन्या पूजन और दीप प्रज्वलन के साथ की गई। वहीं, मंच पर पहुंचे सीएम ने अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि चंबल संभाग में ऐसे अभियान के तहत 38 योजनाओं में करीब तीन लाख 77 हजार लोगों को लाभ मिला है जिसके स्वीकृति पत्र आज वितरित किए जा रहे हैं।

सीएम ने संबोधन के दौरान मंच से लाड़ली लक्ष्मी योजना की शुरुआत की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना के बाद अब बहनों के लिए मैंने लाड़ली बहना योजना तैयार की है। इसके तहत प्रति महीना एक हजार रुपये बहनों के खाते में डाले जाएंगे। यह योजना परिवार में अचानक पैसों की जरूरत को देखते हुए बनाई गई है। घर में दूध खत्म हो जाए, सब्ज़ी के लिए पैसों की जरूरत हो, बच्चे की फीस भरनी हो इसके लिए हर महीने अब एक हजार रुपये दिए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि इस योजना के लिए आने वाली आठ मार्च को महिला दिवस पर शुभारंभ करते हुए फार्म भरने शुरू होंगे। ताकि प्रदेश की सभी बहनों को इसका लाभ मिल सके। इसके लिए सरकार को पांच साल में 60 हजार करोड़ रुपये की जरूरत होगी। हालांकि इस योजना में आठ लाख से कम आय वाले परिवारों को शामिल किया जाएगा। इनमें ऐसे परिवार जो आर्थिक रूप से मजबूत होंगे, जिनके पास पांच एकड़ जमीन, इनकम टैक्स भरने वाले परिवारों को इस योजना से दूर रखा जाएगा।

सीएम ने भिंड की जानता की मांग पर जिले में मेडिकल कॉलेज और भिंड को नगर निगम बनाए जाने की स्वीकृति की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि जब मेडिकल कॉलेज बनता है तो सिर्फ कॉलेज नहीं बल्कि अस्पताल में सुविधाओं का विस्तार होता है, लोगों को बीमारियों के इलाज की बेहतर व्यवस्थाएं मिलती हैं।

वहीं, नगर निगम बनाए जाने को लेकर भी सीएम ने मंच से कहा कि भिंड की आबादी के अनुसार यहां अब नगर निगम बनाया जाना चाहिए। जल्द ही अधिकारी इससे संबंधित दस्तावेज़ तैयार करें।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कार्यक्रम समाप्ति पर विकास यात्रा के पांच रथों को मंच से ही हरी झंडी दिखाई। साथ ही लोगों से अपील की कि शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए ऐसे हितग्राही जो लाभ से वंचित रह गए हैं या जिन्हें सरकारी योजनाओं के अलावा बंटवारे और अन्य तरह की समस्याएं आ रही हैं, वे इन विकास यात्राओं में शामिल जरूर हों।

पंजाब में 16 सार्वजनिक खदानें लोगों को समर्पित, भगवंत मान बोले- रेत माफिया को जड़ से खत्म कर देंगे

लुधियाना, 05 फरवरी (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को 16 सार्वजनिक खदानें लोगों को समर्पित की। इन खदानों से 5.50 रुपये प्रति क्यूबिक फुट के भाव से रेत मिलेगी। ये खदानें राज्य के सात जिलों में खुली हैं। इस दौरान सीएम ने कहा कि इस फैसले से सरकार ने लोगों को दी एक और गारंटी पूरी कर दी है। उन्होंने कहा कि लोगों को डराने-धमकाने वाले रेत माफिया को राज्य सरकार ने जड़ से खत्म कर दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सार्वजनिक खदानों से रेत की सिर्फ हाथों से खुदाई करनी होगी और रेत की मशीनी खुदाई करने की इजाजत नहीं होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी रेत ठेकेदार को यह सार्वजनिक खदानें चलाने की आज्ञा नहीं होगी। सार्वजनिक खदानों वाले स्थानों से रेत सिर्फ गैर-व्यापारिक प्रोजेक्टों के निर्माण के लिए बरतने के लिए ही बेची जाएगी। रेत की बिक्री सूरज डूबने तक ही होगी और हरेक सार्वजनिक खदानों वाली जगह पर रेत निकाले जाने को नियमित करने के लिए एक सरकारी अधिकारी हमेशा मौजूद रहेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने एक एप भी बनाई है जो लोगों को सार्वजनिक खदानों वाले स्थानों के बारे में पूरी जानकारी देगी और ऑनलाइन भुगतान की सुविधा भी देगी। भगवंत मान ने कहा कि 16 खदानें लोगों को समर्पित की गई हैं और अगले महीने तक राज्य भर में ऐसी 50 और खदानें चालू हो जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संबंध में एक एप लांच की गई है जो गूगल मैप के साथ जुड़ी होगी और व्यक्ति को नजदीकी सार्वजनिक खदानों के बारे में अवगत करवाएगी। उन्होंने कहा कि इससे लोगों को सस्ती रेत की सप्लाई यकीनी बनाई जाएगी और ठेकेदारों और ट्रांसपोर्टरों की तरफ से की जा रही लूट को रोका जाएगा। भगवंत मान ने कहा कि इससे ग्रामीण आर्थिकता को बढ़ावा मिलेगा क्योंकि बड़ी संख्या में नौजवान और मजदूर इस काम में लगे होंगे, जिससे उनकी आय बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खदानों के संचालन की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होगी क्योंकि इस पर 24 घंटे निगरानी रखने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा इन सार्वजनिक स्थानों पर पुलिस की गश्त को यकीनी बनाया जाएगा जिससे इन पर पूरी नजर रखी जा सके। भगवंत मान ने बताया कि यह खदानें एक अप्रैल से 30 सितंबर तक सुबह 6 बजे से शाम 7 बजे तक और 1 अक्तूबर से 31 मार्च तक सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक चलेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रेत माफिया जिसने पिछली सरकारों के समय पैर पसारे हुए थे, अब लोगों का शोषण नहीं कर सकेगा। उन्होंने कहा कि रेत की खदानों के द्वारा गैर-कानूनी पैसा इकट्ठा करने वालों को उनके बुरे कामों के लिए जवाबदेह बनाया जाएगा। भगवंत मान ने कहा कि जिन लोगों ने राज्य के साथ यह घिनौना और अक्षम्य अपराध किया है, उनको किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। राज्य सरकार की तरफ से अब तक पूरी की कई गई गारंटियों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पदभार संभालने के 10 महीनों के अंदर-अंदर राज्य सरकार ने ट्रांसपोर्ट माफिया का सफाया कर दिया है। उन्होंने कहा कि जुलाई, 2022 से राज्य के 87 प्रतिशत घरों को मुफ्त बिजली मुहैया करवाई जा चुकी है। भगवंत मान ने कहा कि राज्य के नौजवानों को अब तक 26,000 से अधिक सरकारी नौकरियां मुहैया करवाई जा चुकी हैं और आगे भी भर्ती चल रही है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि पंजाब सरकार ने राज्य में मानक सेहत सेवाएं प्रदान करने के लिए राज्य भर में 500 आम आदमी क्लीनिक शुरू किए हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को बढ़िया शिक्षा प्रदान करने के लिए राज्य भर में स्कूल आफ एमिनेंस स्थापित किए जा रहे हैं। भगवंत मान ने कहा कि प्रिंसिपलों की महारत को और निखारने के लिए 36 प्रिंसिपलों के पहले बैच को पेशेवर प्रशिक्षण के लिए सिंगापुर भेजा गया है।

इस मौके पर कैबिनेट मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर, विधायक सरबजीत कौर माणूके, हरदीप सिंह मुंडियां और जीवन सिंह संगोवाल, आप के वरिष्ठ नेता डा. के एन एस कांग, मार्कफेड के चेयरमैन अमनदीप सिंह मोही, चेयरमैन नवजोत सिंह जर्ग, चेयरमैन सुरेश गोयल, जिला योजना बोर्ड के चेयरमैन शरनपाल सिंह मक्कड़, सचिव खनन गुरकीरत कृपाल सिंह, निदेशक खनन डी पी एस खरबंदा, डिप्टी कमिश्नर सुरभि मलिक सहित अन्य भी उपस्थित थे।

देश की मीडियम, स्मॉल और माइक्रो इंडस्ट्री की ताकत देखने को मिलेगी : ओम बिरला

कोटा, 05 फरवरी (एजेन्सी)। एमएसएमई मेले में हाड़ौती के युवाओं और उद्यमियों को देश के मध्यम, लघु और सूक्ष्मों उद्योगों में हो रहे नवाचारों की झलक देखने के साथ इस क्षेत्र की देश की प्रगति में योगदान की जानकारी भी मिलेगी। लोक सभा अध्यक्ष बिरला ने कहा कोशिश है कि कोटा सहित पूरे हाड़ौती में उद्यमिता का विकास हो।

यहां के मीडियम, स्मॉल और माइक्रो इंडस्ट्रीज में वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं के मुताबिक प्रोडक्शन हो। इससे क्षेत्र में रोजगार और आर्थिक प्रगति आएगी। इसके लिए पिछले साल 2022 में दशहरा मैदान में डिफेंस एक्सपो का आयोजन करवाया था। इस आयोजन से कोटा के उद्यमियों को रक्षा क्षेत्र में कार्य कर रही बड़ी कम्पनियों से जुड़ने का अवसर मिला था।

स्पीकर बिरला की कुछ समय पहले केंद्रीय एमएसएमई मंत्री नारायण राणे से कोटा में एमएसएमई मेले के आयोजन को लेकर चर्चा हुई थी। बिरला ने राणे से कहा था कि कोटा शिक्षा की काशी है, जहां हर साल हजारों की संख्या में इंजीनियर तैयार होते हैं। अगर इन इंजीनियरिंग, पॉलीटेक्निक और आईटीआई स्टूडेंट्स को अभी से दुनिया में आ रहे बदलाव की जानकारी मिलेगी, तो वह उसी मुताबिक खुदको अपस्किल कर सकेंगे। इसी प्रकार यहां के उद्यमी भी खुदकी क्षमताओं को बढ़ाते हुए उत्पादन में ज़रूरी बदलाव कर सकेंगे। इस पर राणे ने तुरंत ही आयोजन के लिए सहमति दी थी।

एमएसएमई मेले के आयोजन को लेकर कोटा स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने रविवार को संस्थापक अध्यक्ष गोविन्द राम मित्तल और अध्यक्ष राजकुमार माहेश्वरी के नेतृत्व में स्पीकर बिरला से भेंट की। उन्होंने बिरला से कहा कि कोटा में इस मेले का आयोजन एक नए युग की शुरूआत होगी।

कोटा सहित सम्पूर्ण हाड़ौती के उद्यमी इस आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान देंगे।प्रतिनिधिमंडल सचिव अनीश बिरला, पूर्व सचिव मनीष माहेश्वरी, पूर्व लघु उद्योग भारती अध्यक्ष मनोज राठी, एमएसएमई मंत्रालय के अधिकारी अजय शर्मा मौजूद रहे।

कोटा सहित हाड़ौती क्षेत्र के पूर्व सैनिकों ने भी रविवार को लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला से लोक सभा कैंप कार्यालय में भेंट की। इन पूर्व सैनिकों ने बिरला को अपनी समस्याओं की जानकारी देते हुए केंद्र सरकार के माध्यम से समाधान का आग्रह किया।

बिरला ने कहा कि पूर्व सैनिक हमारे गौरव हैं, इनकी जो भी समस्याएं हैं उनका उचित समाधान करवाया जाएगा।

स्पीकर बिरला ने रविवार को कैंप कार्यालय में दिव्यांगजनों का ट्राइसाइकिल भेंट की। इस मौके पर बिरला ने कहा कि दिव्यांगनों को सशक्त करके ही हम उनके आत्मनिर्भर बनने का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

हमारा प्रयास है कि संसदीय क्षेत्र के सभी दिव्यांगजनों का सहायक उपकरण निशुल्क उपलब्ध करवाएं, जिनकी कि उन्हें आवश्यकता है।

अलीगढ़ में आयोजित अखिल भारतीय विश्वविद्यालयी स्तरीय मल्लखंब प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर लौटी कोटा यूनिवर्सिटी की टीम के खिलाड़ियों का भी स्पीकर बिरला ने हौसला बढ़ाया। प्रतियोगिता में आयुष सुमन, आशीष कुशवाह, रामेश्वर सुमन, दिनेश भट्ट और शुभम मालव ने रजत पदक जीता। 5 अन्य गर्ल्स ने भी प्रतियोगिता में भाग लिया।

यह सभी ओम श्रीमंगलेश्वर अपना घर योजना से जुड़े हैं। इससे पहले बिरला ने मध्य प्रदेश के उज्जैन में खेलो इंडिया यूथ गेम्स में भाग लेने जा रहे श्री हरदौल मल्लखंब एकेडमी के खिलाड़ियों को भी शुभकामनाए दीं। व्यायामशाला की खुशबू नागर, सुनीता शाक्य, रौनक राठौर, हेमकंवर सिसोदिया, मोहित सिंह और निशांक प्रजापति का चयन राजस्थान टीम में किया गया है। इसके अलावा कोच गोपाल मेहर सिसोदिया का भी रेफरी (जज) के लिए चयन हुआ है।

डियर साप्ताहिक लॉटरी सिलीगुड़ी निवासी ने ₹1 करोड़ जीते

सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल की श्रीमती चैताली पॉल ने 13.12.2022 को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नम्बर 96K 45880 है। उन्होंने कोलकाता स्थित नागालैंड स्टेट लॉटरीज के नोडल अधिकारी के पास प्राइज़ क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार-विजेता टिकट जमा कर दी है। "डियर लॉटरी ने मुझे एक करोड़पति बनाकर नई उम्मीद और ऊर्जा प्रदान की है। जब मुझे यह पता चला कि कुछ रुपए खर्च कर के ही मैं एक करोड़पति बन गई हूँ, तो मैं आश्चर्यचकित रह गई। मैं इस विशाल पुरस्कार राशि का उपयोग अपने परिवार की देखभाल तथा जीवन में कुछ बचत करने के लिए करूंगी।" विजेता ने कहा। डियर लॉटरी के ड्रॉ लाइव दिखाए जाते हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com